www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, बुधवार
29 जुलाई 2026
वर्ष: 49
अंक: 89 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

सभी प्रदर्शनकारियों की एफआईआर वापस होंगी

● सीजेपी ने रात 1 बजे वीडियो जारी कर दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी ने बताया कि सभी प्रदर्शनकारियों की एफआईआर वापस होंगी। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास और रत्ना ने सोमवार रात एक बजे वीडियो जारी कर यह

जानकारी दी। सौरव ने बताया कि सरकार के प्रतिनिधि (दिल्ली पुलिस के अफसर) मिलने आए थे। हमने उन्हें बताया कि आशंका है कि सरकार ने जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं होंगे। उन्होंने बिहार सरकार के गृह विभाग की प्रेस रिलीज दिखाई। इसमें लिखा है कि सभी प्रोटेस्टर्स की एफआईआर वापस ली जाएंगी और भविष्य में भी कोई ऐक्शन नहीं लिया जाएगा। हमारी आशंका थी कि प्रदर्शनकारियों को किसी राज्य में नुकसान पहुंचाया जा सकता है। सरकार ने हमें गारंटी दी है कि ऐसा न हो, इसलिए इसका एक नोटिफिकेशन निकाला जाएगा, ताकि प्रदर्शनकारी सुरक्षित रहें। भविष्य में भी उनके खिलाफ कोई एक्शन नहीं होगा।

सभी बड़े पदों पर संघ के लोग, एनटीए चीफ पर कार्रवाई क्यों नहीं

पेपर लीक बिल पर लोकसभा में बहस, गोगोई ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में पेपर लीक रोकने वाले विधेयक पर चर्चा का आगाज हो गया है। पब्लिक एग्जामिनेशन्स (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026 पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने चर्चा शुरू की। उन्होंने कहा कि यूपीए

सरकार में भी पेपर लीक होते थे। उन्होंने ये भी जोड़ा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ मंजूर नहीं है। वहीं पेपर लीक बिल पर बहस के दौरान गौरव गोगोई ने केंद्र को घेरा। उन्होंने कहा कि सभी बड़े पदों पर आरएसएस के लोग, एनटीए चीफ पर कार्रवाई क्यों नहीं की।

जितेंद्र सिंह ने शुरू की बिल पर चर्चा- केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने पेपर लीक बिल पर चर्चा में कहा कि कल इस विधेयक को पेश किया गया था। असल में पहले के बिल – पब्लिक एग्जामिनेशन्स प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स एक्ट 2024 – में एक संशोधन है, जिसे भी इसी सरकार ने पेश किया था। और न सिर्फ पेश किया था, बल्कि यह शायद आजाद भारत के इतिहास में अपनी तरह का पहला बिल था।

मेटा ने पहले मोदी का वीडियो हटाया, अब रीस्टोर किया

कहा-तकनीकी गड़बड़ी से हटा पीएम ने छात्रों को मैसेज दिया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फेसबुक से हटाया गया वीडियो मेटा ने दोबारा रीस्टोर कर दिया है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि तकनीकी गड़बड़ी की वजह से वीडियो गलती से हट गया था। इससे पहले कुछ समय के लिए फेसबुक पर यह वीडियो दिखाई नहीं दे रहा था, जिसके बाद इस पर सवाल उठे। प्रधानमंत्री मोदी ने

यह वीडियो 23 जुलाई को जारी किया था। इसमें उन्होंने जेन-जी और छात्रों को संबोधित करते हुए परीक्षा पेपर लीक के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया था। इधर, न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय ने मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम) के ग्लोबल हेड और कंपनी के पब्लिक पॉलिसी के ग्लोबल हेड को भी तलब किया है। मेटा ने पीएम के वीडियो मैसेज को हटाया था।

69 हजार शिक्षक भर्ती में न्याय की नई उम्मीद जगी

● सुप्रीम कोर्ट बोला-सभी पक्षों की सहमति बनी तो आर्टिकल-142 से देंगे फैसला

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की बहुचर्चित 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महत्वपूर्ण सुनवाई की। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की डिवीजन बेंच ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पेश किए गए एडजस्टमेंट प्लान पर सभी पक्षों की दलीलें सुनीं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सभी पक्षों की सहमति के आधार पर संविधान के अनुच्छेद-142 के तहत मामले का एकबारगी निस्तारण करने का सुझाव दिया। कोर्ट ने सभी पक्षों को सहमति बनाने और उसे शपथ-पत्र के माध्यम से अदालत को अवगत कराने के लिए शुक्रवार तक का समय दिया है। यदि सभी पक्ष सहमत हो जाते हैं, तो 4 अगस्त 2026 को होने वाली अगली सुनवाई में कोर्ट आर्टिकल-142 के तहत मामले का निस्तारण कर सकता है। यदि सहमति नहीं बनती, तो कोर्ट लखनऊ डबल बेंच के फैसले के आधार पर आगे की सुनवाई करेगा और सभी पक्षों के 5-5 वकीलों को विस्तार से बहस का मौका देगा। सुनवाई सुबह करीब 11 बजे कोर्ट नंबर 10 में शुरू हुई।

दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने रखा सुझाव

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की बेंच ने हस्तक्षेप करते हुए सहमति आधारित समाधान का सुझाव दिया। कोर्ट ने सभी पक्षों को शुक्रवार तक अपनी सहमति शपथ-पत्र के रूप में दाखिल करने को कहा। इस प्रक्रिया के समन्वय के लिए अधिवक्ता मनदीप कालरा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी अमरेंद्र पटेल ने कहा कि यदि सरकार 3,324 ओबीसी और 4,946 रिक्त पदों समेत कुल 8,270 पदों पर पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने को तैयार है, तो वे सहमति देने के लिए तैयार हैं। पिछड़ा-दलित संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कश्यप और प्रवक्ता राजेश चौधरी ने भी कहा कि हाईकोर्ट के सिंगल और डबल बेंच के सभी याचियों को यदि याची लाभ मिल जाए तो वे भी सहमति के लिए तैयार हैं। सरकार ने शपथ-पत्र में बताया था कि वह 8,270 अतिरिक्त पदों पर नई कट-ऑफ के आधार पर भर्ती करने को तैयार है, जिससे पहले से कार्यरत लगभग 67,000 शिक्षकों की नौकरी भी सुरक्षित रहेगी। भारतीय संविधान का आर्टिकल-142 सुप्रीम कोर्ट को पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए विशेष और व्यापक अधिकार देता है। इसे अदालत की असाधारण शक्तियों वाला प्रावधान माना जाता है।

नाबालिग प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करे सरकार

● सुप्रीम आदेश, कहा-छात्रों का आंदोलन शांतिपूर्ण था

जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों पर कार्रवाई हो

● छात्रों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है- सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि छात्रों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन कानून तोड़ने वालों को सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि 250 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि स्वतंत्र जांच से प्रदर्शनकारियों और पुलिस, दोनों पक्षों के आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी। मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त को होगी।

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में कॉकरोच जनता पार्टी के छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि छात्रों का प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था और प्रदर्शन करना उनका संवैधानिक अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई होगी। साथ ही 18 साल से कम उम्र के उन प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करने का निर्देश दिया, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच बेहद जरूरी है।

सुनवाई खत्म, अगली तारीख 3 अगस्त तय

सुनवाई के आखिर में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जुनैद मलिक की याचिका पर बुधवार को सुनवाई की मांग का विरोध किया। इस पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि पहले याचिका की सभी तकनीकी कमियां दूर की जाएं। इसी दौरान एक वकील ने अपनी याचिका भी सूचीबद्ध करने की मांग करते हुए कहा कि हिरासत में लिए गए छात्रों की मदद के दौरान उन पर भी हमला हुआ था। बेंच ने कहा कि इस मामले पर बुधवार को सुनवाई होगी, जबकि बाकी संबंधित मामलों को सोमवार को सुना जाएगा। जरूरत पड़ने पर अंतरिम आदेश भी जारी किए जाएंगे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई खत्म कर दी।

मामले की स्वतंत्र जांच की जरूरत, कई राज्यों को नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में कहा- याचिकाओं में आरोप है कि जंतर-मंतर और दूसरे राज्यों में प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने छात्रों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हुए जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग किया। आरोप है कि पेलेट गन और रबर बुलेट से कई छात्र घायल हुए, एक छात्र की आंख की रोशनी चली गई। भीड़ हटाने के लिए इलेक्ट्रिक बैटन और कील लगी लाठियों का इस्तेमाल किया गया।

भारी बारिश से केदारनाथ यात्रा पड़ी धीमी, यमुनोत्री हाईवे कई जगह अवरुद्ध

चमोली। रुद्रप्रयाग में लगातार हो रही बारिश के कारण केदारनाथ यात्रा की रफ्तार धीमी पड़ गई है। धाम में चारों तरफ घना कोहरा छाया है। वहीं चोटियां बर्फ से ढकी हैं। धाम में बारिश का दौर जारी है। पिछले तीन-चार दिनों से प्रतिदिन एक हजार से कम श्रद्धालु धाम पहुंच रहे थे, लेकिन सोमवार को यह संख्या बढ़कर 1,114 हो गई। अब तक 14,17,136 श्रद्धालु केदारनाथ धाम के दर्शन कर चुके हैं।

घनसाली में कक्षा 1 से 12 तक के स्कूल बंद

बारिश को देखते हुए उपजिलाधिकारी घनसाली के निर्देश पर आज कक्षा 1 से 12 तक के सभी विद्यालय बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। खंड शिक्षा अधिकारी भिलंगना ने सभी प्रधानाचार्यों को आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

यमुनोत्री हाईवे आधा दर्जन स्थानों पर बंद

बड़कोट में रातभर हुई भारी बारिश के कारण यमुनोत्री हाईवे करीब आधा दर्जन स्थानों पर मलबा, पत्थर आने और भू-धंसाव के चलते बंद हो गया है। मार्ग खोलने में भी दिक्कत आ रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) के अधिशासी अभियंता मनोज रावत ने बताया कि हाईवे खोलने के लिए मशीनें मौके पर भेज दी गई हैं, लेकिन लगातार बारिश के चलते राहत कार्य प्रभावित हो रहा है।

बारिश से टिहरी जिले में 9 सड़कें बाधित, मलबा-बोल्डर बने मुसीबत

टिहरी जिले में बीती रात से हो रही झमाझम बारिश के चलते मलबा और बोल्डर गिरने से नौ ग्रामीण संपर्क मोटर मार्ग यातायात के लिए बाधित हो गए हैं। इससे कई गांवों में वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट्ट ने बताया कि बाधित सड़कों को खोलने का काम शुरू कर दिया गया है। बारिश से रायपुर-कुमाल्डा-कद्दूखाल, घुत्तू-गंगी, गुल्लर-भगवासेरा, गुल्लर-नाई माथियाली, नरेंद्रनगर-रानीपोखरी, देवप्रयाग-गाजा-जाजल, लालपुल-भुत्सी, रानीचौरी-नकोट और दिवाड़ा-बांगोली-राजराजेश्वरी मंदिर ग्रामीण मोटर मार्ग यातायात के लिए बाधित चल रहे हैं। विभागीय टीमों की ओर से मार्गों को खोलने का कार्य किया जा रहा है।

जापान के कुमामोटो में 6.8 तीव्रता का भूकंप

● 40 से ज्यादा घायल, सड़के उखड़ीं दीवारें गिरीं ● 48 हजार घरों की बिजली कटी, मचा हाहाकार

कुमामोटो (एजेंसी)। जापान के दक्षिणी द्वीप क्यूशू के कुमामोटो में मंगलवार को 6.8 तीव्रता का भूकंप आया है। इससे पहले भूकंप की तीव्रता 7.1 बताई गई थी। जापान मौसम एजेंसी के मुताबिक भूकंप का केंद्र कुमामोटो के तटीय शहर उटो के पास 10 किमी की गहराई में था। शुरुआती झटकों के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी, जिसे बाद में वापस ले लिया गया। रॉयटर्स के मुताबिक, भूकंप के झटकों में अब तक 40 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। साथ ही, 48,300 से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई।

बिजली कंपनी क्यूशू इलेक्ट्रिक पावर ने बताया कि बिजली बहाल करने का काम जारी है। भूकंप के कारण कई इलाकों में सड़कों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गईं। कई जगह आग लगने और लोगों के घायल होने की भी खबरें हैं। राहत और बचाव दल प्रभावित इलाकों में तैनात हैं और नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

जापान सबसे ज्यादा भूकंप वाले देशों में शामिल- जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यह चार बड़े टेक्टोनिक प्लेटों पर बसा है और प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है। हर साल यहां करीब 1500 भूकंप आते हैं, जिनमें से ज्यादातर हल्के होते हैं। कुमामोटो प्रीफेक्चर में आए शक्तिशाली भूकंप के बाद 48,300 से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। बिजली कंपनी क्यूशू इलेक्ट्रिक पावर की टीमें आपूर्ति बहाल करने में जुटी हैं। कंपनी ने लोगों से अपील की है कि गिरे हुए या टूटे बिजली के तारों को न छुएं। साथ ही कहीं भी बिजली के उपकरणों या लाइनों में नुकसान दिखने पर तुरंत इसकी सूचना देने को कहा है।

कश्मीर में 50-फीट गहरी खाई में गिरी मंदसौर की बस

● एमपी-राजस्थान के 40 श्रद्धालु सवार थे, अमरनाथ दर्शन के बाद वैष्णो देवी के लिए निकले थे

मंदसौर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बालटाल से श्रीनगर जा रही मंदसौर की बस मंगलवार को 50 फीट गहरी खाई में गिर गई। बस में करीब 40 श्रद्धालु सवार थे, जो अमरनाथ यात्रा से लौट रहे थे। इनमें मध्य प्रदेश और राजस्थान के यात्री शामिल हैं। हादसे में सभी यात्री घायल हुए हैं। दो को गंभीर चोटें आई हैं। हादसा सुबह करीब 7 बजे गांदरबल जिले के रंगा मोड़ के पास हुआ। स्थानीय लोगों और राहत-बचाव दल ने सभी यात्रियों को बस से बाहर निकाला। घायलों को पहले उप जिला अस्पताल कंगन ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को सौरा, श्रीनगर रेफर किया गया। जानकारी के मुताबिक बस भरी हुई थी।

मंदसौर की कंपनी ने किराए पर ली थी बस

दुर्घटनाग्रस्त बस अजमेर की है। इसे मंदसौर जिले की मां भगवती यात्रा कंपनी के एजेंट ने अमरनाथ यात्रा के लिए हायर किया था। कंपनी की कुल चार बसें यात्रा पर गई थीं, जिनमें से मंदसौर से गई एक बस हादसे का शिकार हो गई। जानकारी के अनुसार बस में मंदसौर, मल्हारगढ़, नीमच जिले के सुवाखेड़ा और बड़नगर क्षेत्र के भी श्रद्धालु थे। सभी घायलों को श्रीनगर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। प्रशासन घायलों की पहचान और उनकी हालत की जानकारी जुटा रहा है। फिलहाल, यात्रियों के इलाज पर ध्यान दिया जा रहा है। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए स्थानीय प्रशासन और पुलिस जांच कर रही है। पुलिस प्रशासन इस मामले में पूरी तरह ऐक्टिव है।

उपराज्यपाल ने घायलों की हालत की जानकारी ली

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने गांदरबल के डिप्टी कमिश्नर और स्वास्थ्य अधिकारियों से बात कर घायलों की स्थिति की जानकारी ली है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और हर संभव सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मंदसौर जिला प्रशासन भी जम्मू-कश्मीर प्रशासन के संपर्क में है। यात्रियों की स्थिति की जानकारी उनके परिजनों तक पहुंचाने की प्रक्रिया जारी है।

भारी तनाव के बीच एनडीए की मंगल मिलन मीटिंग

● पहली बार टीएमसी से अलग हुए एनसीपीआई के सांसद भी हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद भवन परिसर में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों की मौजूदगी में नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस संसदीय दल की बैठक हुई। मंगल मिलन नाम की इस बैठक में पहली बार उन सांसदों ने भी हिस्सा लिया जो हाल ही में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) छोड़कर भारत की नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। सांसद सयोनी घोष ने कहा, मैंने एनडीए की बैठक में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में यह एक ज्ञानवर्धक और जानकारीपूर्ण सत्र था। आज हमने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर चर्चा की। यह एक सकारात्मक चर्चा थी। उन्होंने पेपर लीक विरोधी कानून यानी पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) अमेंडमेंट बिल, 2026 के लिए भी समर्थन की अपील की। इस बिल पर बुधवार को बाद में चर्चा होनी है।

स्वच्छ, आधुनिक एवं पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था के निर्माण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : धामी

उत्तराखण्ड स्वच्छ गतिशीलता परिवर्तन नीति-के तहत 6 लाभार्थियों को सब्सिडी चेक किए प्रदान

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में उत्तराखण्ड स्वच्छ गतिशीलता परिवर्तन नीति-2024 के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में 06 प्राथमिक लाभार्थी वाहन स्वामियों को पूंजीगत अनुदान एवं प्रोत्साहन राशि के सब्सिडी चेक प्रदान किए। 05 अन्य लाभार्थियों की सब्सिडी एवं स्वीकृति प्रक्रिया भी परिवहन विभाग द्वारा पूर्ण की जा चुकी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वच्छ ईंधन आधारित 11 वाहनों का फ्लैग ऑफ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सहायता केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि उत्तराखण्ड को स्वच्छ, आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल परिवहन व्यवस्था की ओर ले जाने के राज्य सरकार के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस पहल से प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ ईंधन आधारित सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा मिलेगा, डीजल चालित वाहनों से होने वाले प्रदूषण में कमी आएगी तथा पर्यावरण संरक्षण को नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। ऐसे

समय में विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। विकास तभी सार्थक है, जब वह प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं स्वच्छ भविष्य सुनिश्चित करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार देहरादून, हरिद्वार एवं हल्द्वानी में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन का लगातार विस्तार कर रही है। साथ ही प्रदेशभर में ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं, ताकि स्वच्छ ईंधन आधारित वाहनों के उपयोग के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

संग्रह अमीनों के रिक्त पदों पर अनुसेवकों को पदोन्नति देने की मांग

नई टिहरी। संग्रह अनुसेवक संघ ने संग्रह अमीनों के रिक्त पदों पर अनुसेवकों को पदोन्नति देने की मांग की है। संघ ने डीएम नितिका खंडेलवाल को दिए ज्ञापन में कहा कि अनुसेवक वर्ष 1989 से कार्यरत हैं, लेकिन अब तक उन्हें पदोन्नति का लाभ नहीं मिला है। अनुसेवकों ने बताया कि संग्रह अमीनों के करीब 50 फीसदी पद लंबे समय से रिक्त हैं, जिन्हें अनुभव के आधार पर संग्रह अनुसेवकों को पदोन्नति देकर भरा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि अन्य विभागों में कार्यानुभव के आधार पर पदोन्नति दी जाती है, लेकिन संग्रह अनुसेवकों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने शीघ्र पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करने की मांग की। डीएम नितिका खंडेलवाल ने सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

251 महिलाओं ने निकाली जलकलश यात्रा

गुप्तकाशी। श्री काशी विश्वनाथ भक्त मंडली की ओर से आयोजित ग्यारह दिवसीय श्रीमद् देवीभागवत एवं श्रीमद् शिवमहापुराण कथा के दसवें दिन को मंगलवार विश्वनाथ मंदिर में गंगा–यमुना पूजन के बाद भव्य जलकलश यात्रा निकाली गई। इसमें 251 महिलाओं ने भाग लिया। महिलाओं ने विश्वनाथ मंदिर परिसर में बह रही गंगा–यमुना जलधाराओं से जल भरकर शोभायात्रा के साथ कथा मंडप पहुंचकर भगवान विश्वनाथ का जलाभिषेक किया। इसके बाद देवी भागवत कथा में आचार्य हरिओम देवशाली ने देवी महात्म्य, पूजा विधि और शक्ति के विभिन्न स्वरूपों का वर्णन किया।

वहीं शिवमहापुराण कथा में आचार्य रोशन जगुड़ी ने द्वादश ज्योतिर्लिंगों के महत्व के बारे में बताया।

एक नजर

हाईवे पर गिरे पेड़ को फायर कर्मियों ने हटाया

गोपेश्वर। चमोली–गोपेश्वर–ऊखीमठ हाईवे पर मंगलवार को अल्कापुरी के पास अचानक एक पेड़ सड़क पर गिर गया, जिससे मार्ग पर बड़े वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। पेड़ गिरने के कारण कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा और बड़े वाहनों को रोकना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही गोपेश्वर से फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने वुडन कटर की सहायता से सड़क पर गिरे पेड़ को काटकर हटाया। राहत कार्य पूरा होने के बाद मार्ग से मलबा और पेड़ के अवशेष साफ किए गए, जिसके बाद यातायात पूरी तरह से सुचारु कर दिया गया। इधर, पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट ने बताया कि हाईवे पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से सुचारु हो गई है।

स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

देवाल। महाविद्यालय में ऑनलाइन एडमिशन की तिथि बढ़ाई गई। इच्छुक छात्र–छात्राएं दो अगस्त तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। दिवंगत शेर सिंह दानू राजकीय महाविद्यालय में दो अगस्त तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन होंगे। विद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दर्शन मेहरा ने बताया कि बीए व बीएससी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की तिथि दो अगस्त तक बढ़ा दी गई है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में बीए में 120 व बीएससी में 60 सीट स्वीकृत है। अभी तक बीए में 62 व बीएससी में चार एडमिशन हुए हैं। रजिस्ट्रेशन पोर्टल खुल गया है। इच्छुक छात्र–छात्राएं सीएससी सेंटर से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

भाखड़ा नाले के तेज बहाव में दो लोग बहे, 30 मीटर दूर निकले

हल्द्वानी। मंगलवार को उफान पर बह रहे फतेहपुर रेंज में भाखड़ा नाला पार करते वक्त बाइक में सवार दो लोग नाले के पानी के तेज बहाव में बह गए। लगभग तीस मीटर तक बहने के बाद किसी तरह दोनों ने नाले से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। जिसके चलते एक बड़ा हादसा होने से हट लगा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब तक दोनों लोग वहां से जा चुके थे। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह दो ग्रामीण बाइक से कालाढूंगी की तरफ जा रहे थे। फतेहपुर के पास ही भाखड़ा नाले में पानी उफान पर था। इसके बावजूद बाइक सवारों ने तेज रफ्तार बाइक से नाला पार करने का प्रयास किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जैसे ही बाइक नाले के मध्य पहुंची तो वह असंतुलित होकर नाले में जा गिरी और उसमें सवार दोनों लोग पानी के तेज बहाव में बह गए। दोनों ने संभलने का प्रयास किया लेकिन वह पानी के तेज बहाव में खुद का संतुलन नहीं बना सके। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक लगभग तीस मीटर पानी में बहने के बाद दोनों नाले में उस स्थान पर जा पहुंचे जहां पानी का बहाव कम था।

मुनि की रेती ढालवाला में चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

ढालवाला। कांवड़ मेले की तैयारियों के तहत मुनि की रेती क्षेत्र में प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। पुलिस प्रशासन और नगर निकाय की संयुक्त टीम ने ढालवाला बायपास मार्ग पर कार्रवाई करते हुए सड़क किनारे किए गए अस्थायी अतिक्रमण हटाए। अभियान के दौरान चार रेहड़ियां और काउंटर जब्त किए गए। अधिकारियों ने अतिक्रमणकारियों को भविष्य में दोबारा सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा नहीं करने की चेतावनी देते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। कार्रवाई के दौरान मुख्य सफाई निरीक्षक नितिन सत्ती, कर निरीक्षक आकाश अग्रवाल, सफाई निरीक्षक कमल चौहान, पुलिस उपनिरीक्षक आशीष रावत, सुपरवाइजर जितेंद्र सिंह सजवाण, सफाई सुपरवाइजर बाबू सिंह उपस्थित रहे।

सनातन संस्कृति की जीवनशैली है प्रकृति संरक्षण

ऋषिकेश। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर मंगलवार को परमार्थ निकेतन में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान परमार्थ गुरुकुल के ऋषिकुमारों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पौधारोपण कर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि प्रकृति बचेगी, तभी मानवता बचेगी। वृक्ष केवल पृथ्वी का हरित आभूषण नहीं बल्कि मानव चेतना की श्वास हैं।

मेडिकल कॉलेज की जगह बदलने पर भड़के लोग

नई टिहरी। टिहरी मेडिकल कॉलेज संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने इणिया में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज को नरेंद्रनगर के फिपल्टी में बनाए जाने का विरोध किया। उन्होंने कलेक्ट्रेट में सांकेतिक प्रदर्शन कर मांग के समर्थन में मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। पूर्व निर्धारित स्थान पर इणिया में ही मेडिकल कॉलेज निर्माण करने की मांग की है। ऐसा न होने पर 16 अगस्त से चरणबद्ध उग्र आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी। टिहरी मेडिकल कालेज संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले व्यापार मंडल नई टिहरी, बौराड़ी सहित विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने कलेक्ट्रेट में सांकेतिक प्रदर्शन किया। मेडिकल कॉलेज को नरेंद्रनगर के फिपल्टी ले जाने के विरोध में नारेबाजी कर आक्रोश जताया। संघर्ष समिति संयोजक डॉ राकेश भूषण गोदियाल ने कहा कि 25 फरवरी 2022 को मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने टिहरी भ्रमण के दौरान नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज बनाने की घोषणा की थी। इससे पूर्व तत्कालीन सीएम विजय बहुगुणा भी नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज बनने की घोषणा कर चुके हैं। वर्ष 2022 तथा 23 में मेडिकल कॉलेज के लिए भागीरथीपुरम के समीप इणिया में जगह चयनित की गई। उक्त स्थान टीएचडीसी ने भूमि जांच आदि प्रक्रिया शुरू करवा दी थी। लेकिन बीते 25 जुलाई को स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में मेडिकल कॉलेज को गढ़वाल संसदीय क्षेत्र के गजा तहसील के फिपल्टी में कराए जाने की संस्तुति केंद्र सरकार को भेजी गई। जिससे टिहरी विधानसभा क्षेत्र के लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।। कहा कि दो–दो मुख्यमंत्रियों की घोषणा के बाद भी प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री सभी प्रक्रियाओं को दर किनार करते हुए फिपल्टी में मेडिकल कॉलेज की संस्तुति केंद्र सरकार को भेजी। मेडिकल कॉलेज को अन्यत्र लेने के विरोध के विरोध में 31 जुलाई को नई टिहरी में प्रदर्शन किया जाएगा।

कांग्रेस की महिला नेत्री पर धार्मिक भावना भड़काने का आरोप

देहरादून। क्षेत्र की एक कांग्रेस महिला नेत्री की ओर से सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक पोस्ट साझा कर धार्मिक भावनाएं आहत करने का मामला सामने आया। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने इसके खिलाफ तीखा रोष जताते हुए कोतवाली में तहरीर दी और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।

विहिप–बजरंग दल के हरबर्टपुर शहर अध्यक्ष विपिन वर्मा की ओर से दी गई शिकायत में आरोप लगाया गया कि कांग्रेस की एक महिला नेत्री ने रात अपने फेसबुक अकाउंट से एक पोस्ट साझा की, जिससे सनातन समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। आरोप है कि पोस्ट में सनातन परंपरा के पूजनीय गुरु के लिए आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया है। संगठन ने इसे समाज का माहौल बिगाड़ने का प्रयास बताया है। कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पांच राज्यों ने सौंपी आठ हजार इनामियों की सूची

कांवड़ मेले में नजर रखेगी एसटीएफ

देहरादून। कांवड़ मेला क्षेत्र और मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में पिछले दिनों उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा के पुलिस के आला अधिकारियों की बैठक हुई थी। इस बैठक में यात्रा मार्ग पर विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा हुई।

कांवड़ मेले में अपराधी माहौल खराब न करें इसके लिए भी साइबर पुलिस और एसटीएफ गहन निगरानी करेगी। इसके लिए पांच राज्यों ने उत्तराखंड पुलिस को इनामी बदमाशों का विवरण सौंपा है। कांवड़ मेला क्षेत्र में लगे फेस रिकग्निशन कैमरों (चेहरे की पहचान करने वाले) से इन पर नजर रखी जाएगी। इसके लिए साइबर पुलिस और एसटीएफ की एक विशेष टीम बनाई गई है जिसे विभिन्न कंट्रोल रूम में तैनात किया जाएगा।

कांवड़ मेला क्षेत्र और मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में पिछले दिनों उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा के पुलिस के आला अधिकारियों की बैठक हुई थी। इस बैठक में यात्रा मार्ग पर विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा हुई। इसके साथ ही

मौजूदा समय में सोशल मीडिया की चुनौतियों को लेकर भी विभिन्न अधिकारियों ने विस्तृत कार्ययोजना बनाई गई है। मार्गों पर यात्रियों के ठहने के स्थानों की पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के लिए भी दिशा निर्देश पुलिस अधिकारियों ने जारी किए थे। इसके साथ ही इस बैठक में अपराधियों पर नजर रखने के लिए भी सक्रिय तंत्र स्थापित करने पर सहमति बनी।

मानसून की पहली बारिश भी नहीं झेल पाया 16 करोड़ का नया पुल

देहरादून ,नंदा की चौकी के पास बना नया पुल पहली मानसून की बारिश भी नहीं झेल पाया। करीब 16 करोड़ रुपये की लागत से पुल बनाया गया था। बारिश के बीच पुल का एक बड़ा हिस्सा धंस जाने से सड़क पर गहरा गड्ढा बन गया, जिससे वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई।

हाल ही में तैयार किए गए इस पुल की एप्रोच रोड के क्षतिग्रस्त होने से निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। सुरक्षा के मद्देनजर पुल पर यातायात रोक दिया गया। वहीं रेंजर्स ग्राउंड के पास भी जलभराव होने से वाहनों को निकलने में भारी मुशिकल हो रही है। उत्तराखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से

राज्य के अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज–चमक के साथ बौछारें पड़ने का पूर्वानुमान जारी किया है। वहीं, कुछ जिलों के लिए भारी से भारी बारिश का अलर्ट भी जारी किया गया है।

भरभराकर गिरा कच्चा मकान, बाल–बाल बची महिला

देहरादून। मंगलवार को बारिश के कारण ग्राम जीवनगढ़ स्थित एक विधवा महिला का कच्चा मकान भरभराकर गिर गया। हादसे के दौरान घर में मौजूद महिला बाल–बाल बची लेकिन घर में रखा सारा घरेलू सामान आपदा की भेंट चढ़ गया। क्षेत्र में हो रही बारिश से ग्राम जीवनगढ़ के वार्ड नंबर 13 की निवासी विधवा महिला नाजरीन का कच्चा मकान गिर गया। जिससे उसके घर में रखा सारा घरेलू सामान नष्ट हो गया। पीड़ित महिला ने बताया जिस समय मकान गिरा, वह घर में ही मौजूद थी। उसने भागकर अपनी जान बचाई। समाजसेवी फतेह आलिम ने बताया मकान गिरने व नुकसान की जानकारी तहसील प्रशासन को दे दी गई है।

अनियंत्रित होकर टोंस नदी में गिरी बाइक, एक लापता, दूसरे को बचाया

देहरादून। तहसील क्षेत्र के सैंज गांव के पास रात एक बाइक अनियंत्रित होकर टोंस नदी में गिर गई। बाइक सवार रिशाणु गांव निवासी कुमरेश सिगटा (45) नदी में लापता हो गए। वहीं, बाइक पर सवार दूसरे व्यक्ति को रेस्क्यू कर लिया गया। बाइक सवार मझोग फिलिंग स्टेशन से वाहन में पेट्रोल भरवाकर वापस लौट रहे थे। घटनास्थल के पास बाइक अनियंत्रित हो गई थी। देर रात तक एसडीआरएफ और पुलिस ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान चलाया, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका। थाना प्रभारी कुलदीप शाह ने बताया कि सैंज गांव के नीचे सामने से आ रहे वाहन की तेज रोशनी के कारण चालक ने बाइक सड़क किनारे करने का प्रयास किया, लेकिन संतुलन बिगड़ने से बाइक सीधे टोंस नदी में जा गिरी। हादसे में बाइक और उसके साथ मौजूद दूसरा व्यक्ति जल संस्थान की पाइपलाइन में फंस गए। दूसरे व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि बाइक चला रहे कुमरेश सिगटा तेज बहाव में लापता हो गए।

उत्तराखंड का जर्जर तहसील भवन

हल्द्वानी। तहसील परिसर में प्रस्तावित 'नमो भवन' फाइलों में तो मौजूद है, लेकिन जमीनी स्तर पर काम दूर है। वहीं, मौजूदा अंग्रेजों जमाने की जर्जर इमारतों में दीवारों पर गहरी दरारें, प्लास्टर झड़ना, छतों पर पेड़–घास उगना और जड़ों का कमरों में फैलना जैसे हालात हैं।

फाइलों में भले ही तहसील परिसर में प्रस्तावित नमो भवन की बुनियाद डाली जा चुकी है लेकिन धरातल पर अभी यह दूर है। दूसरी ओर तहसील के वर्षों पुराने मौजूदा जर्जर भवनों में काम कर रहे कर्मचारियों की जान हथेली पर है। तहसील परिसर के अधिकांश अंग्रेजों के जमाने के कुछ भवनों की दीवारों में बड़ी–बड़ी दरारें पड़ गई हैं। दीवारों का प्लास्टर लगातार झड़ रहा है। छत में पेड़, घास उगी हुई हैं। पेड़ों की जड़ें कमरों के भीतर फैल रही हैं। ऐसे में बरसात के मौसम में टूटती छतों, दरकती दीवारों और सीलन भरे कमरों के बीच कर्मचारी हर दिन जोखिम में डालकर सरकारी कामकाज निपटाने को मजबूर हैं।

बंद घर में लाखों की चोरी

ऋषिकेश। सोमेश्वर नगर क्षेत्र में बंद पड़े मकान से चोरों ने लाखों रुपये की नकदी और गहनों पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस का कहना है कि चोरों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। कोतवाली पुलिस को दी शिकायत में सोमेश्वर नगर निवासी डॉ. केएस जौहरी ने बताया कि वह बीते 7 जुलाई को दोपहर करीब 12 बजे किसी कार्य से मेरठ गए थे। 10 जुलाई की शाम लगभग पांच बजे जब वह घर लौटे तो बाहर से सभी दरवाजे बंद थे, लेकिन अंदर जाकर देखा तो दो अलमारियों के ताले टूटे हुए थे और पूरा सामान बिखरा पड़ा था। चोर पीछे की खिड़की की ग्रिल उखाड़कर घर के भीतर घुसे थे। उन्होंने औजारों की मदद से अलमारियों के लॉक तोड़े और उनमें रखी एक लाख रुपये की नकदी, सोने और चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक यशपाल बिष्ट ने बताया कि मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

पछवादून–जौनसार में भारी बारिश से नदियां उफान पर

देहरादून। पछवादून और जौनसार बावर क्षेत्र में हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन बुरी तरह अस्त–व्यस्त कर दिया। नदी और बरसाती नालों के उफान पर आने से तटीय बस्तियों और बाजारों पर संकट गहरा गया। अत्यधिक जलस्तर बढ़ने के कारण आसन बैराज के सभी गेट खोलकर पानी यमुना में छोड़ना पड़ा। वहीं, विकासनगर, हरबर्टपुर, सहसपुर और सेलाकुई में जगह–जगह हुए भारी जलभराव से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। रात करीब 10 बजे शुरू हुई बारिश का सिलसिला मंगलवार सुबह 11 बजे तक जारी रहा। लगातार बारिश से टोंस, स्वारना, शीतला और आसन नदी के साथ–साथ शिवालिक पहाड़ियों से निकलने वाले बरसाती नाले भी उफान पर आ गए। इससे नदी–नालों के आसपास बसी बस्तियों और कृषि भूमि में पानी घुसने का खतरा बन गया। बारिश से लोगों की आम दिनचर्या भी रुक गई। नौकरीपेशा लोग घरों से बाहर नहीं निकल पाए। वहीं, विकासनगर, हरबर्टपुर, कालसी, चकराता, साहिया और त्यूणी के बाजारों में भी दिनभर सन्नाटा पसरा रहा।

डीएम ने पकड़ी लापरवाही: पिथौरागढ़ जिला अस्पताल में न ड्रेस और ना नेमप्लेट

पिथौरागढ़, पिथौरागढ़ जिले के सबसे बड़े जिला अस्पताल को अव्यवस्थाओं ने घेरा है। अस्पताल के बिस्तरों में मरीज गंदी चादरों में सोने के लिए मजबूर हैं। वहीं मरीजों को बदहाल शौचालयों का उपयोग करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। अस्पताल में कोई भी स्वास्थ्य कर्मी न तो अपनी ड्रेस पहनता है और ना ही नेम प्लेट लगाता है। ऐसे में मरीजों और तीमारदारों को पता नहीं चलता कि कौन डॉक्टर है और कौन सफाई कर्मी और स्टाफ नर्स। यह खामी और लापरवाही खुद डीएम ने पकड़ी। जिला अस्पताल में मरीजों की सबसे अधिक भीड़ रहती है। रोजाना यहां 900 से अधिक मरीज बेहतर इलाज की उम्मीद में पहुंचते हैं। वहीं 120 से अधिक मरीजों को भर्ती किया जाता है।

बीते दिनों संवाद न्यूज एजेंसी ने जिला अस्पताल में के वार्डों और शौचालयों में गंदगी, पानी की किल्लत, मरीजों को बाहर से दवा लिखने, हेल्प डेस्क को डॉक्टरों की उपलब्धता की जानकारी न होना सहित कई समस्याओं को लेकर खबरें प्रमुखता से प्रकाशित की गईं। इन खबरों का संज्ञान लेकर डीएम आशीष कुमार भटगाईं ने जिला अस्पताल का निरीक्षण किया तो उन्होंने कई खामियां पकड़ीं। अस्पताल में सफाई व्यवस्था बदहाल मिली। मरीज गंदी चादरों में सोते मिले। शौचालयों भी गंदगी से पटे हैं। औषधी भंडार में पर्याप्त दवा उपलब्ध है। इसके बाद भी मरीजों से बाहर से दवा मंगाई जा रही है। डीएम ने इन अव्वस्थाओं पर नाराजगी जताते हुए अस्पताल प्रबंधन को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं से समझौता हुआ तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई होगी।

देवराना गांव में गुलदार ने महिला पर किया हमला

यमकेश्वर। लालढांग रेंज के देवराना गांव में गुलदार ने महिला पर हमला कर दिया। हमले में महिला घायल हो गई। महिला को इलाज के लिए यमकेश्वर स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। एक महीने के अंदर गुलदार के हमले की यह तीसरी घटना है। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में आक्रोश है।

`वराना गांव की प्रमिला देवी पत्नी मनोज कुमार ग्वाड़ी मंगलवार दोपहर घर से करीब 200 मीटर दूर पशु चराने गई थी। इसी दौरान घात लगाए बैठे गुलदार ने उन पर हमला कर घायल कर दिया। घायल महिला को ग्रामीणों की मदद से उपचार के लिए सीएचसी यमकेश्वर ले जाया गया। जहां उपचार किया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि इससे पहले भी गुलदार हमला कर चुका है।

17 जुलाई को उर्मिला देवी पर हमला कर उसे घायल किया था। तीन जुलाई को देवराना निवासी राजेंद्र सिंह पर भी गुलदार हमला कर चुका। गुलदार की ओर से लगातार हमला किए जाने के बाद भी वन विभाग गुलदार को ना तो पकड़ रहा है ना ही मार पा रहा है।

उफनती मालन नदी से गोवंश का सुरक्षित रेस्क्यू

नदी से गोवंश का रेस्क्यू करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लगातार हो रही बारिश के चलते पर्वतीय क्षेत्रों की नदियां उफान पर हैं। मंगलवार सुबह मालन नदी के तेज बहाव के बीच कई गोवंश फंस गए। सूचना मिलने पर संकल्प फाउंडेशन और स्थानीय समाजसेवियों ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान चलाकर सभी गोवंश को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

मंगलवार सुबह से क्षेत्र में लगातार वर्षा होने के कारण मालन नदी का जल स्तर तेजी से बढ़ गया। इसी दौरान मालन पुल से गुजर रहे लोगों की नजर नदी के बीच फंसे गोवंश पर पड़ी। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना संकल्प फाउंडेशन को दी। सूचना मिलते ही फाउंडेशन की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सभी गोवंश को सुरक्षित नदी से बाहर निकाल लिया गया। संकल्प फाउंडेशन के पदाधिकारी इंद्रजीत सिंह रावत ने बताया कि नदी का तेज बहाव रेस्क्यू अभियान में बड़ी चुनौती बना हुआ था। इसके बावजूद टीम के सदस्यों, स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों के सामूहिक प्रयास से अभियान सफलता पूर्वक पूरा किया गया। उन्होंने आपदा के दौरान लोगों से नदियों और बरसाती नालों के आसपास अनावश्यक रूप से न जाने तथा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासन या संबंधित संस्थाओं को सूचना देने की अपील की।

नीलकंठ यात्रा मार्ग के 18 विद्यायलों में 11 अगस्त रहेगा अवकाश

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : कांवड़ मेले के तहत नीलकंठ महादेव मंदिर क्षेत्र के 18 विद्यालयों में 30 जुलाई से 11 अगस्त 2026 तक अवकाश घोषित किया गया है। कांवड़ मेले में श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही और छात्रों की सुरक्षा के मद्देनजर जिलाधिकारी ने अवकाश के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आदेश का अनुपालन करने के निर्देश दिए हैं।डीएम स्वाति एस भदौरिया ने बताया कि मंदिर क्षेत्र के प्रावि व राइंका नीलकंठ और दिउली में 30 जुलाई से 11 अगस्त स्कूलों में अवकाश रहेगा। वहीं, सरस्वती शिशु मंदिर नीलकंठ, मल्ली तलाई, प्रावि भौन, बाल मैत्री शिशु संस्थान मलेलगांव, प्रावि रत्तापानी, प्रावि और राउमावि घट्टूगाड़, लक्ष्मणझूला स्थित प्रावि, राइंका व गंगा वैली पब्लिक स्कूल, स्वर्गाश्रम के बाल विद्या निकेतन, गीता बाल विद्यालय और एसडीएसए महाविद्यालय के साथ ही प्रावि व राइंका गंगाभोगपुर में 5 से 11 अगस्त तक अवकाश रहेगा। डीएम ने बताया कि यह निर्णय छात्रों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए किया जा रहा है।

पर्यावरण संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान पर दो हस्तियां सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : देवभूमि उत्कर्ष सेवा समिति की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए डॉ. चंद्रमोहन बड़थ्वाल और पूर्व सैनिक रामभरोसा कंडवाल को पं. मथुरा प्रसाद विश्व पर्यावरण सम्मान से सम्मानित किया गया। स्वर्गीय पं. मथुरा प्रसाद की पुण्य स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि बदलते पर्यावरणीय हालात के बीच प्रकृति का संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण बचाने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। कार्यक्रम में श्री दुर्गा शक्ति मंच की अध्यक्ष देवकी रावत ने डॉ. चंद्रमोहन बड़थ्वाल और रामभरोसा कंडवाल को सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान स्वर्गीय पं. मथुरा प्रसाद के पुत्र डॉ. रमाकांत कुकरेती द्वारा अपने पिता की स्मृति में प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है। वक्ताओं ने कहा कि दोनों सम्मानित हस्तियां लंबे समय से पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

रामभरोसा कंडवाल ग्राम्य एकता प्रगति प्रेमांजल समिति के माध्यम से पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यों में योगदान दे रहे हैं, जबकि डॉ. चंद्रमोहन बड़थ्वाल देवभूमि उत्कर्ष सेवा समिति के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता अभियान संचालित कर रहे हैं।

इस अवसर पर मनमोहन काला, दिनेश चौधरी, जगत सिंह नेगी, रेखा ध्यानी, नीरजा गौड़, सोमप्रभा कंडवाल, पूजा कंडवाल, मीनाक्षी कंडवाल, नंदन सिंह नेगी, प्रिया रावत, वैशाली चौहान सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल का लिया संकल्प

श्रीनगर गढ़वाल : वीर चंद्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान श्रीनगर में मंगलवार को राष्ट्रीय मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) इकाई की ओर से पौध रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रजातियों के फलदार और छायादार पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम संस्थान के प्राचार्य प्रो. डॉ. अशुतोष सयाना के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। एनएमओ इकाई के उपाध्यक्ष डॉ. सौरभ सचर के सहयोग तथा डॉ. अमन भारद्वाज के समन्वय में आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया। इस दौरान भूपेन्द्र सिंह पटवाल, चतुर सिंह राणा, छात्र बोरिस और मोहित समेत अन्य प्रतिभागियों ने पौध रोपण में भागीदारी की।

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान सहायक कलेक्टर, प्रथम श्रेणी कोटद्वार।

राजस्व वाद संख्या 12 सन् 2026

श्री गोपाल सिंह नेगी बनाम् उत्तराखण्ड सरकार आदि

समन बनाम् (अंतर्गत आदेश 5, नियम 20 सिविल प्रक्रिया संहिता)

1. उत्तराखण्ड सरकार, बजरिए कलेक्टर, जिला पौड़ी गढ़वाल, 2. श्री मोहन सिंह पुत्र श्री धर्म सिंह, 3. श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह, 4. श्री कलीराम पुत्र श्री दौलत राम, 5. श्री राधापति पुत्र श्री ओगड़ा नंद, 6. श्री चन्द्रप्रकाश पारासर पुत्र श्री पारासर, 7. श्री सुनील पारासर पुत्र श्री पारासर, 8. श्री सुनील पुत्र श्री सोम प्रकाश, 9. श्री अनिल पुत्र श्री सोम प्रकाश, 10. श्री रामकुमार सिंह पुत्र श्री शिव सिंह, 11. श्री प्रदीप कुमार सिंह पुत्र श्री शिव सिंह, 12. श्री अरूण कुमार सिंह पुत्र श्री शिव सिंह, 13. श्री राम सिंह पुत्र श्री मान सिंह, 14. श्री वचन सिंह पुत्र श्री औतार सिंह, 15. श्री दीपक पुत्र श्री नारायण, 16. श्री पुनीत पुत्र श्री नारायण सिंह, 17. श्रीमती शांति देवी पत्नी नारायण सिंह, 18. श्री आनन्द सिंह पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह, 19. श्री ध्यान सिंह पुत्र श्री बादर सिंह, 20. श्रीमती सुशीला देवी पत्नी श्री मनवर सिंह, 21. श्री हरि कृष्ण पुत्र श्री आनन्द मणी, 212 श्री सुदामा राम पुत्र श्री मैत्री दत्त, 23 श्रीमती विशेश्वरी देवी पत्नी स्व0 श्री पारेश्वर प्रसाद, 24. श्री योगेश्वर प्रसाद पुत्र स्व0 श्री पारेश्वर प्रसाद, 25. श्री कमल पुत्र स्व0 श्री पारेश्वर प्रसाद, 26. श्री मनोज कुमार पुत्र स्व0 श्री पारेश्वर प्रसाद, 27 देवव्रत सिंह पुत्र श्री गंगा सिंह, 28. ध्रुव सिंह पुत्र श्री गंगा सिंह, 29. श्रीमती अनिता पत्नी श्री जीतेन्द्र सिंह, 30. श्री तीरथ सिंह पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह, 31. श्रीमती अनुसूया देवी पत्नी स्व0 प्रेम सिंह, 32. श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 प्रेम सिंह, 33. श्री उत्तम सिंह पुत्र स्व0 प्रेम सिंह, 34. श्री रवीन्द्र सिंह पुत्र स्व0 प्रेम सिंह, 35. श्रीमती बबली पत्नी श्री नवीन सिंह, 36. श्री नितिन व प्रखर पुत्रगण श्री नवीन सिंह द्वारा माता श्रीमती बबली, 37. श्री राम सिंह पुत्र श्री मुरली सिंह, 38. श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री त्रिलोक सिंह, 39. श्रीमती सुषमा देवी पत्नी श्री महेश कुमार, 40. श्री राकेश चन्द्र पुत्र स्व0 बाली राम, 41. श्री धर्मेन्द्र कुमार पुत्र स्व0 बाली राम, 42. श्री संदीप कुमार पुत्र श्री सुदामा राम, 43. श्रीमती कविता पत्नी श्री प्रेम सिंह, 44. श्रीमती शशि देवी पत्नी श्री बृज मोहन, 45. श्रीमती पिंकी देवी पत्नी श्री रामेश्वर, 46. श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र श्री मदन सिंह, 47. श्रीमती शालिनी पत्नी श्री तेजपाल सिंह, 48. श्रीमती सन्तोषी पत्नी श्री ललित मोहन सिंह, 49. श्रीमती आरती पत्नी श्री सुधीर सिंह, 50. श्रीमती सरिता पत्नी श्री योगेश, 51. श्री विकेश कुमार पुत्र श्री मन्साराम, 52. श्री हरेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 बुद्धि सिंह, 53. श्री विजय सिंह पुत्र स्व0 बुद्धि सिंह, 54. श्री महिपाल सिंह पुत्र स्व0 बुद्धि सिंह, 55. श्री जय सिंह पुत्र स्व0 बुद्धि सिंह, 56. श्री आशीष पुत्र वीरेन्द्र सिंह, 57. श्री आशीष पुत्र श्री वीरेन्द्र सिंह, 58. श्री ध्यान सिंह पुत्र श्री देव सिंह, 59. श्री आरूष पुत्र श्री पंकज पोता श्री चण्डी प्रसाद, 60. श्री दीपक पुत्र श्री चण्डी प्रसाद, 610. श्रीमती निशा पत्नी श्री राकेश पुत्र चण्डी प्रसाद, 62. श्री कालिका प्रसाद पुत्र स्व0 मंगतराम, 63. श्री चन्द्रमोहन पुत्र स्व0 मंगतराम, 64. श्री मनोज कुमार पुत्र श्री लाल सिंह, 65. श्रीमती रेनू पत्नी स्व0 जीतेन्द्र सिंह, 66. श्री शुभम पुत्र स्व0 जीतेन्द्र सिंह द्वारा माता श्रीमती रेनू, 67. श्री दक्ष पुत्र स्व0 जीतेन्द्र सिंह द्वारा माता श्रीमती रेनू, 68. श्रीमती सावित्री देवी पत्नी स्व0 भगवान सिंह, 69. श्री नरेन्द्र प्रसाद पुत्र श्री भुवनेश्वर प्रसाद, 70. श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी हरिप्रसाद, 71. श्रीमती सरोजनी देवी पत्नी श्री खुशालमणि, 72. श्रीमती कुसुम पत्नी श्री राजेन्द्र, 73. श्री प्रेम सिंह पुत्र श्री शिशुपाल सिंह, 74. श्री राहुल पुत्र श्री महीपाल सिंह, 75. श्री अरविंद सिंह पुत्र श्री सुल्तान सिंह, 76. श्रीमती बसन्ती देवी पत्नी श्री कन्हैयालाल, 77. श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री सतीश, 78. श्रीमती मीना देवी पत्नी श्री ओमप्रकाश, 79. श्रीमती पूजा उर्फ ज्योति पत्नी मनीष, 80. श्री लक्ष्मीप्रसाद शर्मा पुत्र श्री नन्दकिशोर, 81. श्री हरीश चन्द्र शर्मा पुत्र श्री नन्दकिशोर, 82. बसन्तवल्लभ शर्मा पुत्र श्री नन्दकिशोर, 83. बुलबुल पुत्रीवीरेन्द्र प्रसाद, 84. मो0 जावेद पुत्र मो0 फारूख, 85. श्री प्रेम सिंह पुत्र श्री शिशुपाल सिंह, 86.श्री मनोज कुमार पुत्र श्री लाल सिंह, 87. श्रीमती सावित्री देवी पत्नी भगवान सिंह, समस्त निवासीगण काशीरामपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड

2. आम जनता नगर निगम कोटद्वार वार्ड काशीरामपुर, द्वारा आयुक्त नगर निगम कोटद्वार पौड़ी गढ़वाल 26/09/26 विपक्षीगण।

हरगाह वादी गोपाल सिंह नेगी द्वारा इस न्यायालय में एक वाद अंतर्गत धारा 176 उत्तराखण्ड (उ0प्र0ज0वि0 एवं भू0सु0) अधिनियम प्रस्तुत किया गया है, जिसमें आपको प्रतिवादी बनाया गया है। मामले में सुनवाई हेतु अगली तिथि दिनांक 26/09/26 को नियत है।

अतः आपको एतत्द्वारा आपको आदेशित किया जाता है कि आप दिनांक 22/07/26 को स्वयं अथवा सम्यकरूप से निर्देशित अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। ऐसा करने में असफल होने पर वाद में आपकी अनुपस्थिति में एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। आज दिनांक को न्यायालय की मुद्रा से जारी

आदेशानुसार
सहायक कलेक्टर, प्र0श्रे0 कोटद्वार

संक्षिप्त समाचार

डीजल चोरी के तीनों आरोपी साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : न्यायिक मजिस्ट्रेट व सिविल जज (जू.डि) लैंसडौन प्रिया साह की अदालत ने निर्माण कंपनी की पोकलैंड मशीन से डीजल चोरी के मामले में तीन आरोपियों को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने में असफल रहा।

शिवालिक बिल्डटेक प्रा. लि. कंपनी के मैनेजर विनय सिंह भदौरिया ने 25 अगस्त 2025 को पुलिस को कंपनी की पोकलैंड मशीन से 70 लीटर डीजल चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें उन्होंने बिजनौर निवासी विकास, मोनू व कमल पर डीजल चोरी के आरोप लगाए थे। बताया कि आरोपी ने 24 अगस्त 2025 को कुल्हाड़ बैंड बैरगांव के समीप खड़ी पोकलैंड मशीन में डीजल चोरी कर फरार हो गए थे। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर 10 अप्रैल 2026 को आरोपपत्र अदालत में दाखिल किए। अभियोजन का दावा था कि आरोपियों के कब्जे से 70 लीटर डीजल, छः जरीकैन और घटना में प्रयुक्त कार बरामद हुई थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि अभियोजन पक्ष के गवाहों के बयानों में कई महत्वपूर्ण विरोधाभास हैं। प्रत्यक्ष रूप से चोरी होते हुए किसी आरोपी को देखने संबंधी साक्ष्य भी स्पष्ट और भरोसेमंद नहीं मिले। बरामदगी और अन्य साक्ष्य भी आरोपों को निर्विवाद रूप से सिद्ध करने के लिए पर्याप्त नहीं पाए गए। यहां तक कि चोरी हुए डीजल का न तो रासायनिक परीक्षण हुआ और ना ही बरामद माल को सेंपल के लिए एफएसएल भेजे गए। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने में असफल रहा। इसी आधार पर अदालत ने तीनों आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया।

21 अगस्त से शुरू होगी विशेष लोक अदालत

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : आगामी 21 अगस्त से तीन दिवसीय समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत)-2026 का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष लोक अदालत में सर्वोच्च न्यायालय में लंबित उपयुक्त मामलों का आपसी सहमति व सुलह के आधार पर निस्तारण किया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव व सिविल जज नाजिश कलीम ने विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन एवं अधिकाधिक मामलों के निस्तारण के उद्देश्य से मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण परिसर में संबंधित पक्षकारों के साथ छठी प्री-लोक अदालत बैठक आयोजित की गई। बैठक में पक्षकारों को लोक अदालत की प्रक्रिया, उद्देश्य व इसके लाभों की विस्तार से जानकारी दी गई। सचिव ने कहा कि लोक अदालत विवादों के समाधान का एक प्रभावी मंच है जहां आपसी सहमति से मामलों का त्वरित, सरल एवं कम खर्च में निस्तारण संभव होता है। उन्होंने बताया कि विशेष लोक अदालत से पूर्व राज्य, जिला, तहसील एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरणों के मध्यस्थता केंद्रों में लगातार सुलह बैठकों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक मामलों का आपसी समझौते के आधार पर शीघ्र निस्तारण किया जा सके। बैठक में डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसिल महेश बलूनी, रिटेनर अधिवक्ता गजेन्द्र सिंह रावत आदि मौजूद थे।

स्नातकोत्तर व व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए 5 अगस्त तक करें पंजीकरण

श्रीनगर गढ़वाल : विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न स्नातकोत्तर (पीजी), पीजी डिप्लोमा, बीएड, बीपीएड, एलएलबी, बीलिब सहित अनेक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित विवि प्रवेश परीक्षा (यूईटी)-2026 में सफल अभ्यर्थियों के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। पात्र अभ्यर्थी 29 जुलाई यानी आज से 5 अगस्त 2026 की रात 11:55 बजे तक समर्थ प्रवेश पोर्टल पर पंजीकरण कर सकेंगे। विवि ने 17 जून से 20 जून तक विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर यूईटी का सफलतापूर्वक आयोजन किया। प्रवेश परीक्षा समन्वयक डॉ. प्रीतम सिंह नेगी ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 13,900 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 2,273 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे तथा 9,877 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया। अब सफल अभ्यर्थी अपने इच्छित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए विवि के विभिन्न परिसरों व संबद्ध महाविद्यालयों/संस्थानों के विकल्प ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। छात्र अधिष्ठाता कल्याण प्रो. ओ.पी. गुसाईं द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, प्रवेश पंजीकरण पोर्टल 29 जुलाई से 05 अगस्त तक सक्रिय रहेगा। उन्होंने सभी पात्र अभ्यर्थियों से निर्धारित अवधि के भीतर विवि प्रवेश पोर्टल पर लॉगिन कर अपने पसंदीदा विवि परिसर व संबद्ध महाविद्यालय/संस्थान की वरीयताएं दर्ज करते हुए पंजीकरण शुल्क जमा करने को कहा है। सीटों का आवंटन अभ्यर्थियों की मेरिट, पात्रता, आरक्षण, उपलब्ध सीटों व अभ्यर्थियों की ओर से दर्ज की गई वरीयताओं के आधार पर किया जाएगा। प्रवेश पंजीकरण के लिए लिंक पर उपलब्ध रहेगा। (एजेंसी)

वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया सरल बनाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम के पार्षद सूरज प्रसाद कांति ने मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने और संशोधन की प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि बीएलओ के माध्यम से ही सभी आवेदन और आवश्यक दस्तावेज जमा कराने की व्यवस्था की जाए, ताकि मतदाताओं को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। मंगलवार को उपजिलाधिकारी संदीप कुमार को ज्ञापन सौंपते हुए पार्षद ने बताया कि वर्तमान में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत उन्होंने अपने परिवार की मैपिंग कराकर बीएलओ को सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध करा दिए थे। इसके बावजूद उन्हें बीएलओ की ओर से नोटिस प्राप्त हुआ, जिससे प्रक्रिया को लेकर भ्रम और असुविधा की स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने मांग की कि नए मतदाताओं के आवेदन पत्र बीएलओ के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएं। साथ ही जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हट गए हैं, उनके फॉर्म-6 भी बीएलओ के जरिए लिए जाने के निर्देश जारी किए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि जो बीएलओ नोटिस वितरित कर रहे हैं, उन्हें ही संबंधित मतदाताओं से आवश्यक दस्तावेज एकत्र करने की जिम्मेदारी भी दी जानी चाहिए। उपजिलाधिकारी संदीप कुमार ने पार्षद द्वारा दिए गए सुझावों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए संबंधित बीएलओ को आवश्यक निर्देश देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अमित राज सिंह, राकेश शर्मा और राजेंद्र सिंह रावत सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

उपजिलाधिकारी के समक्ष समस्या रखते पार्षद

संकुल स्तरीय खेल प्रतियोगिता में असद और रोहणी ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत काशीरामपुर तल्ला स्थित प्रताप सिंह नेगी सरस्वती शिशु मंदिर में संकुल स्तरीय जूनियर वर्ग की खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बालक वर्ग में असद और बालिका वर्ग में रोहणी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के व्यवस्थापक डॉ. घनानंद शर्मा, डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत और संकुल प्रमुख निर्मल केमनी ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान अतिथियों ने विद्यार्थियों को खेलों के महत्व के बारे में बताते हुए अनुशासन और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के 600 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में असद प्रथम, सार्थक द्वितीय और आयुष तृतीय रहे। बालिका वर्ग में रोहणी ने पहला, आनंदी ने दूसरा और साक्षी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में गोपी प्रथम, असद द्वितीय और रोहित तृतीय रहे, जबकि बालिका वर्ग में साक्षी प्रथम, ताशी द्वितीय और पलक तृतीय रहीं। 100 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में समर प्रथम, शांतुनू द्वितीय और वेदांश तृतीय रहे। बालिका वर्ग में इशिका प्रथम, रोहणी द्वितीय और अनुष्का तृतीय रहीं। 4 गुणा 100 मीटर रिले दौड़ के बालक वर्ग में जशोधरपुर ने प्रथम, दुगड्डा ने द्वितीय और काशीरामपुर तल्ला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में दुगड्डा प्रथम, जशोधरपुर द्वितीय और काशीरामपुर तल्ला तृतीय रहा। बैडमिंटन प्रतियोगिता के बालक वर्ग में ध्रुव प्रथम, आरव गौड़ द्वितीय और दिव्यांशु तृतीय रहे। बालिका वर्ग में आंचल प्रथम, आनंदी द्वितीय और साक्षी तृतीय रहीं। गोला फेंक प्रतियोगिता के बालक वर्ग में शौर्य बड़ोला प्रथम, आर्यन द्वितीय और तनिष्क तृतीय रहे। बालिका वर्ग में प्रिया प्रथम, राधिका द्वितीय और साक्षी तृतीय रहीं। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रदीप गुसाईं, शिवप्रसाद पुरोहित, रोशन सिंह और अनिल गौड़ सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

रिपोर्टिंग व काउंसिलिंग कार्यक्रम जारी

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग ने बी. फार्मा प्रथम सेमेस्टर (शैक्षणिक सत्र 2026-27) में प्रवेश के लिए ऑफलाइन रिपोर्टिंग व काउंसिलिंग का कार्यक्रम जारी कर दिया है। रिपोर्टिंग 5 अगस्त को व काउंसिलिंग 6 अगस्त को फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग, चौरास परिसर में आयोजित होगी। विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार केवल सीयूईटी (यूजी) 2026 में निर्धारित कटऑफ प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी ही काउंसिलिंग में शामिल हो सकेंगे। प्रवेश के लिए अलग-अलग वर्गों के लिए कटऑफ मॉर्क्स जारी किए गए हैं। छात्र विवि की वेबसाइट से इसकी जानकारी ले सकते हैं। प्रवेश के लिए पीसीबी (भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान) अथवा पीसीएम (भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित) विषयों के अभ्यर्थी पात्र होंगे। अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग के समय मूल दस्तावेजों के साथ उनकी स्वप्रमाणित प्रतियां लानी होंगी।

भाषाओं के समन्वय से शिक्षा, अनुसंधान और ज्ञान के प्रसार को मिलेगी गति

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) में आयोजित यूजीसी के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के तहत भारतीय भाषाओं की समरसता व बहुलता का स्वरूप, विषय पर व्याख्यान आयोजित हुए। वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम के आठवें दिन प्रथम सत्र में शिक्षा मंत्रालय की भारतीय भाषा समिति के सीनियर एक्सपर्ट प्रो. आरएस सर्राजू ने भारतीय भाषा परिवार, भाषाओं के ऐतिहासिक विकास और समान पारिभाषिक शब्दावली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय भाषाओं के समन्वय से शिक्षा, अनुसंधान और ज्ञान के प्रसार को नई गति मिलेगी। द्वितीय सत्र में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के पूर्व अध्यक्ष प्रो. संजीव चौहान ने गुरु गोविंद सिंह विरचित दशम ग्रंथ में भारत-बोध विषय पर व्याख्यान देते हुए भारतीय सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रभाव और मानवीय मूल्यों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं का साहित्य देश की ऐतिहासिक स्मृति और सांस्कृतिक अस्मिता का सशक्त दस्तावेज है। तृतीय सत्र में प्रतिभागी शिक्षकों की माइक्रोटीचिंग का मूल्यांकन किया गया। प्रो. गुड्डी बिष्ट पंवार ने प्रभावी अध्यापन, समय-प्रबंधन और विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण पद्धति पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

गुलदार की सक्रियता से दहशत में लोग

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत बिलकेदार वार्ड नंबर 40 में गुलदार की दहशत से लोग परेशान हैं। वार्ड पार्षद संदीप रावत ने बताया कि सोमवार रात को गुलदार घर के आंगन में आ धमका, साथ ही एक कुत्ते पर हमले का प्रयास भी किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में लगातार गुलदार की सक्रियता बनी हुई है। इससे लोगों में भय व्याप्त है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में वन विभाग के अधिकारियों को भी अवगत कराकर लोगों को गुलदार की दशहत से निजात दिलाने की मांग की गई है।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा वाणिज्य विज्ञापन, ग्रोसरी कीओस्क, ब्रांडेड आउटलेट, फूड वैन, सैलून शॉप, मोबाइल स्टोर, कैंटीन, बैटरी ऑपरेटेड व्हीकल, रेडियो टैक्सी बूथ एवं बिजनोर स्टेशन पर इंटीग्रेटेड कॉन्ट्रैक्ट, के ठेकों को संचालन एवं आवंटन हेतु ई–बोलियाँ website:www.ireps.gov.in पर दिनांक 13.08.2026 को आमंत्रित की गयी है, इनकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्ते www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2599/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभि0/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई–टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमन्त्रित करते हैं।

सं0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रुपये	अग्रिम धन रुपये	निविदा फॉर्म की लागत रु.	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	2	3	4	5	6
1	**28-Tele-ClockandPA-system** प्रोविजन ऑफ मिनिमम एसेंशियल एमेनिटीज फॉर रेमैनिंग स्टेशनस (पी ए सिस्टम अट 78 स्टेशनस एंड डिजिटल क्लॉक अट 123 स्टेशनस).	26523075.27	530500.00	Nil	19.08.2026 15:00 बजे
2	**47RT-Tele-PAS-Kumbh-2027** प्रोविजन ऑफ पब्लिक एड्रेस सिस्टम एट एच डब्लू एंड अडज्वाइनिंग लोकेशनस.	107591138.55	2151800.00	Nil	19.08.2026 15:00 hrs.

नोटः– निविदा के पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा सूचना: 28/Tele/Clock and PA system-47RT-Tele-PAS-Kumbh-2027 दि0: 24.07.2026 2593/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय नगर पंचायत सतपुली, पौड़ी गढ़वाल

संख्या-282/ न0प0स0/2025-26/ दिनांक 27 जुलाई 2026

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत सतपुली क्षेत्रान्तर्गत स्वच्छता हेतु बाह्य स्त्रोत से पर्यावरण मित्रों, कार्यालय में कार्य करने हेतु चपरासी, परिचारक, चौकीदार, बेलदार, लाईनमेन पद की आपूर्ति किये जाने हेतु जेम पोर्टल पर बिड संख्या GEM/2026/B/7835713 ऑनलाईन के माध्यम से सेवा शुल्क की दरें आमंत्रित की जाती है निविदा में प्रतिभाग करने के इच्छुक फर्म जेम पोर्टल के माध्यम से अपने दरे प्रस्तुत कर सकते है निविदा से सम्बन्धित सभी शर्ते बिड सं0 GEM/2026/B/7835713 में उपलब्ध है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सतपुली

अध्यक्ष
नगर पंचायत सतपुली
पौड़ी गढ़वाल

(0336/51)

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आइडिन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (आयकर, जी0एस0टी0 व ई0पी0एफ0 में पंजीकृत) एवं पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 13.08.2026 के 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से दिनांक 12.08.2026 को 13.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधोहस्ताक्षरकर्ता के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी अतिरिक्त)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0)
20/2026–27	रू0 1000/–	वि०वि० उपखण्ड द्वितीय कोटद्वार के अन्तर्गत नये संयोजन निर्गत किये जाने हेतु लाइन, उपसंस्थान निर्माण/क्षमता वृद्धि व अन्य कार्य।	45000.00
21/2026–27	रू0 250/–	वि०वि० उपखण्ड प्रथम कोटद्वार के अन्तर्गत हल्दूखाता में लाइन शिफ्टिग कार्य।	5000.00

पत्रांक : 2164/विविखको/टी–6 दिनांक : 28.07.2026 **अधिशासी अभियन्ता**

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें "राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

संपादकीय

विकास की गुणवत्ता में छेद

विकास के नाम पर जब भ्रष्टाचार को प्राथमिकता पर रखा जाएगा तो वही सब सामने आएगा जो अभी कुछ समय पहले देहरादून दिल्ली राजमार्ग के गड्ढों और अब देहरादून पोंटा साहब मार्ग के प्रेम नगर में बने नए पुल की हालत के रूप में दिखा है। यह संवेदनहीनता और सरकारी पैसे की बर्बादी का जीवंत उदाहरण है जिसमें न जाने कितनों की पौ बारह हुई होगी और न जाने कितनों की स्वार्थ सिद्धि भी। देहरादून के नंदा की चौकी का पुल का गड्ढा सिर्फ सड़क में नहीं, व्यवस्था में भी लगा हुआ है। टौंस नदी के ऊपर बना नया पुल लोगों के लिए विकास और सुविधा से जोड़कर देखा जा रहा था। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार इस पुल से उम्मीद की जा रही थी कि वर्षों से चली आ रही यातायात की समस्याओं का समाधान होगा और क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित आवागमन का बेहतर विकल्प मिलेगा, लेकिन भ्रष्टाचार की लीपा पोती और प्रकृति की पहली गंभीर परीक्षा में ही पुल के एप्रोच मार्ग पर बड़ा गड्ढा पड़ जाना कई ऐसे सवाल छोड़ गया है, जिनका जवाब जनता जानना चाहती है। हाल की भारी बारिश के बाद पुल से जुड़े हिस्से का धंसना व्यापक चर्चा का विषय बना है। यह घटना केवल एक निर्माण दोष की कहानी नहीं है। यह उस सोच पर प्रश्नचिह्न है जिसमें निर्माण कार्यों की सफलता का आकलन उद्घाटन समारोह से किया जाता है, गुणवत्ता से नहीं। जब कोई नया पुल कुछ ही दिनों में क्षतिग्रस्त हो जाए, तो लोगों के मन में यह संदेह स्वाभाविक रूप से पैदा होता है कि कहीं निर्माण कार्य में जल्दबाजी, लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता तो नहीं किया गया।भ्रष्टाचार हमेशा फाइलों में दिखाई नहीं देता। कई बार वह सीमेंट की कमजोर परतों, अधूरी जल निकासी व्यवस्था, तकनीकी मानकों की अनदेखी और निगरानी की कमी के रूप में सामने आता है। यदि निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता और ईमानदारी से हुआ होता, तो जनता यह सवाल शायद न पूछती कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद पहली ही बड़ी बारिश में सड़क क्यों धंस गई। उत्तराखंड कोई सामान्य भौगोलिक क्षेत्र नहीं है। यहां की मिट्टी, ढलानें, नदियां और मानसून निर्माण कार्यों के लिए विशेष सावधानी की मांग करते हैं। इंजीनियरिंग का मूल सिद्धांत यही कहता है कि किसी भी परियोजना को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप तैयार किया जाए। यदि यह ध्यान नहीं रखा गया, तो परिणाम वही होंगे जो आज नंदा की चौकी में दिखाई दे रहे हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि ऐसी घटनाएं अब अपवाद नहीं रह गई हैं। सड़कें बनती हैं, टूटती हैं, फिर मरम्मत होती हैं और फिर टूट जाती हैं। जनता का पैसा खर्च होता है, लेकिन जवाबदेही बहुत कम दिखाई देती है। यही कारण है कि जब कोई नया पुल क्षतिग्रस्त होता है, तो लोगों के मन में सबसे पहले भ्रष्टाचार का प्रश्न उठता है। अब आवश्यक है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष तकनीकी जांच हो। यह पता लगाया जाए कि गलती डिजाइन में थी, निर्माण सामग्री में, जल निकासी व्यवस्था में या फिर कार्य की निगरानी में। यदि किसी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता हुई है तो जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की पुनर्स्थापना के लिए जरूरी है। नंदा की चौकी का यह गड्ढा केवल सड़क का धंसाव नहीं है। यह उस व्यवस्था में पैदा हुई दरार का प्रतीक है, जहां विकास की चमक कभी–कभी गुणवत्ता की नींव को ढक देती है। जनता को पुल चाहिए, लेकिन ऐसा पुल जो वर्षों तक खड़ा रहे; जनता को विकास चाहिए, लेकिन ऐसा विकास जो पहली बारिश में ही दम न तोड़ दे।

परिवार परम्परा एवं बिखरते रिश्ते पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

ललित गर्ग

परिवार केवल एक छत के नीचे रहने वाले लोगों का समूह नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, धैर्य और संस्कारों का जीवंत विद्यालय है। जब इस विद्यालय की नींव कमजोर होने लगती है तो उसका प्रभाव केवल एक घर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा समाज उसकी कीमत चुकाता है। देश के बहुचर्चित सोनम रघुवंशी 'हनीमून मर्डर' प्रकरण की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय की पीठ द्वारा व्यक्त की गई चिंता केवल एक अपराध पर की गई टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय समाज के बदलते चरित्र का गहन सामाजिक विश्लेषण थी। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी. बी. वराले ने जिस पीड़ा के साथ कहा कि संयुक्त परिवार लोगों को धैर्य, संयम, सहनशीलता और समायोजन सिखाते थे, वहीं आज एकल परिवारों में अवसाद, असहिष्णुता और संबंधों का विघटन बढ़ रहा है, वह हमारे समय का कटु सत्य है।

माता-पिता और संतान, भाई-बहन, दादा-दादी और पोते-पोतियों के बीच भी भावनात्मक दूरी लगातार बढ़ रही है, यह परिवार परम्परा एवं रिश्तों में बढ़ती दूरी अब पति-पत्नी के बीच भी बड़ी दरारें डालने लगी है। रिश्तों का खोखलापन इतना बढ़ गया है कि अपनी ही पत्नी या पति की हत्या करने में भी तनिक संकोच नहीं रहा। ऐसे घटनाएं बार-बार देखने को मिल रही है। घर बड़े हो गए हैं, लेकिन दिल छोटे होते जा रहे हैं। सुविधाएं बढ़ी हैं, परंतु संवेदनाएं सिकुड़ती जा रही हैं। संवाद कम हो गए हैं और स्क्रीन का समय बढ़ गया है। परिणामस्वरूप रिश्ते धीरे-धीरे औपचारिकता में बदलते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में विवाह से पहले अथवा विवाह के कुछ ही दिनों बाद हुई इन नृशंस हत्याओं ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के पतन का संकेत है। जिन परिवारों में धन, प्रतिष्ठा और भौतिक सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं थी, वहीं जीवन का सबसे बड़ा अभाव विश्वास और संतोष का था। संत कबीर का यह वचन आज पहले से अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है- 'जब आए संतोष धन, सब धन धूरि समान।' भौतिक संपन्नता कभी भी मानसिक शांति और रिश्तों की ऊष्मा नहीं खरीद सकती।

भारतीय संस्कृति ने परिवार को केवल सामाजिक संस्था नहीं माना, बल्कि धर्म, संस्कृति और जीवन-मूल्यों का प्रथम विद्यालय माना है। संयुक्त परिवार में दादा-दादी केवल बुजुर्ग नहीं होते थे, वे अनुभवों के विश्वविद्यालय होते थे। नाना-नानी केवल रिश्तेदार नहीं, बल्कि संस्कारों के संरक्षक होते थे। बच्चों को कहानियों के माध्यम से धैर्य, करुणा, क्षमा, संयम और त्याग का पाठ पढ़ाया जाता था। घर का हर सदस्य दूसरे के दुःख का सहभागी होता था। इसलिए किसी एक व्यक्ति का तनाव पूरे परिवार की शक्ति से हल्का हो जाता था। आज यह सुरक्षा-कवच तेजी से टूट रहा है। महत्वाकांक्षाओं की अंधी दौड़ में पति-पत्नी दोनों कार्यस्थल पर व्यस्त हैं। बच्चों का बचपन मोबाइल, टैबलेट और घरेलू सहायिकाओं के भरोसे बीत रहा है। जब बच्चा रोता है तो उसे गोद नहीं, मोबाइल थमा दिया जाता है। यह सुविधा का समाधान नहीं, संवेदनाओं का विस्थापन है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि 'भावनाओं का विकल्प गैजेट्स नहीं हो सकते', हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक चेतावनी है।

डिजिटल क्रांति ने जीवन को सरल अवश्य बनाया है, लेकिन यदि तकनीक मनुष्य पर हावी हो जाए तो वह संबंधों की सबसे बड़ी शत्रु बन जाती है। आज परिवार एक ही कमरे में बैठकर भी अलग-अलग दुनिया में खोया रहता है। भोजन की मेज पर संवाद समाप्त हो गया है। आंखों में आंखें डालकर बातें करने की परंपरा लुप्त होती जा रही है। इससे भावनात्मक जुड़ाव कमजोर पड़ रहा है और अकेलापन बढ़ रहा है। इस पूरे संकट की जड़ केवल आधुनिकता नहीं है। समस्या आधुनिकता के असंतुलित और अंधानुकरण में है। पश्चिम से हमने तकनीक तो अपनाई, लेकिन उसकी सामाजिक चुनौतियों से सीख नहीं ली। अब पति और पत्नी के बीच तीसरा आना आम बात हो गयी है, और यही तीसरा समस्या की जड़ है। इस तरह के अवैध रिश्तों ने त्रासद घटनाओं को जन्म दिया है।

भारतीय परिवार व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता थी-'मैं' से पहले 'हम' का भाव। आज 'हम' की जगह 'मैं' ने ले ली है। अधिकारों की चर्चा तो बहुत होती है, लेकिन कर्तव्यों का स्मरण बहुत कम होता है। रिश्तों में बढ़ता अहंकार भी विघटन का बड़ा कारण है। पति-पत्नी दोनों अपने-अपने तर्कों को अंतिम सत्य मानने लगे हैं। कोई झुकना नहीं चाहता। जबकि भारतीय परंपरा ने सिखाया था कि झुकना हार नहीं, बल्कि संबंधों को बचाने की सबसे बड़ी जीत है। क्षमा और संवाद हर टूटते रिश्ते की पहली दवा हैं, किंतु आज संवाद की जगह आरोप और क्षमा की जगह प्रतिशोध ने ले ली है। यह भी विचारणीय है कि आज विवाह को जीवनभर का संस्कार नहीं, बल्कि सुविधानुसार निभाया जाने वाला अनुबंध समझा जाने लगा है। यही कारण है कि छोटी-छोटी असहमतियां भी अदालतों तक पहुंच रही हैं। न्यायालय न्याय दे सकता है, लेकिन प्रेम नहीं लौटा सकता। कानून अधिकारों का संरक्षण कर सकता है, लेकिन आत्मीयता का निर्माण नहीं कर सकता। इसलिए पारिवारिक समस्याओं का स्थायी समाधान न्यायालयों में नहीं, परिवारों के भीतर ही खोजा जाना चाहिए।

भारत आज विश्वगुरु बनने का स्वप्न देख रहा है। आर्थिक प्रगति, वैज्ञानिक उपलब्धियां, डिजिटल नवाचार और वैश्विक नेतृत्व निश्चित रूप से गर्व के विषय हैं। लेकिन यदि हमारी सबसे बड़ी सांस्कृतिक शक्ति 'संयुक्त परिवार' कमजोर हो जाएगी, तो यह प्रगति अधूरी रह जाएगी। विश्व भारत से केवल आर्थिक शक्ति की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि उन जीवन-मूल्यों की भी अपेक्षा करता है जिन्होंने हजारों वर्षों तक इस सभ्यता को जीवित रखा है। विश्वगुरु वही बन सकता है जो अपने परिवारों को भी मजबूत रख सके। जिस समाज में माता-पिता उपेक्षित हों, बुजुर्ग अकेले हों, बच्चे भावनात्मक रूप से असुरक्षित हों और पति-पत्नी विश्वास के संकट से जूझ रहे हों, वह केवल आर्थिक महाशक्ति बन सकता है, सांस्कृतिक महाशक्ति नहीं।

समय आ गया है कि परिवारों में पुनः संवाद की संस्कृति विकसित की जाए। सप्ताह में कुछ समय ऐसा हो जब पूरा परिवार बिना मोबाइल के साथ बैठे। बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा ही नहीं, अच्छे संस्कार भी मिलें। विद्यालयों में जीवन-मूल्य और भावनात्मक शिक्षा को महत्व दिया जाए। विवाह-पूर्व परामर्श, पारिवारिक परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि परिवार में बुजुर्गों की भूमिका को पुनः सम्मानपूर्वक स्थापित किया जाए, क्योंकि वे केवल अतीत के प्रतीक नहीं, बल्कि भविष्य के मार्गदर्शक हैं। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी किसी न्यायिक टिप्पणी भर नहीं, बल्कि समाज के लिए चेतावनी का शंखनाद है। यदि हमने अभी भी अपने परिवारों को बचाने का प्रयास नहीं किया तो आने वाले वर्षों में केवल अदालतों में मुकदमे नहीं बढ़ेंगे, बल्कि समाज की संवेदनाएं भी समाप्त होती जाएंगी।

भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र है- 'वसुधैव कुटुम्बकम्।' लेकिन जो समाज अपने ही परिवार को नहीं बचा पाएगा, वह पूरी दुनिया को परिवार कैसे मान सकेगा? आज आवश्यकता नई इमारतें बनाने की नहीं, बल्कि बिखरते घरों को जोड़ने की है। नई तकनीक विकसित करने की नहीं, बल्कि टूटते संवादों को पुनर्जीवित करने की है। नई पीढ़ी को केवल सफल बनाने की नहीं, बल्कि संवेदनशील बनाने की है। यदि भारत को सचमुच विश्वगुरु बनना है, तो उसकी शुरूआत संसद, न्यायालय या विश्वविद्यालयों से नहीं, बल्कि हर घर के आंगन से होगी। संयुक्त परिवार की आत्मा, रिश्तों की गरिमा, संवाद की संस्कृति और संस्कारों की विरासत को पुनर्जीवित करना ही इस युग की सबसे बड़ी राष्ट्रीय आवश्यकता है। यही सुप्रीम कोर्ट की चिंता का वास्तविक संदेश है और यही भारतीय सभ्यता के भविष्य की सबसे बड़ी आशा भी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

श्रद्धा,समर्पण और आत्मबोध का महापर्व-गुरु पूर्णिमा

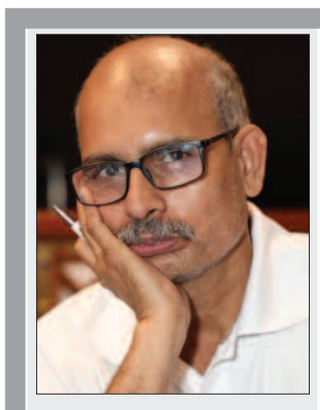

विनोद सिंह

गुरु पूर्णिमा हमें संदेश देती है कि गुरु के चरणों में झुकना किसी व्यक्ति के सामने झुकना नहीं, बल्कि ज्ञान,सत्य और सनातन संस्कृति के समक्ष विनम्र होना है।जब तक भारत की धरती पर गुरु-शिष्य परम्परा जीवित रहेगी,तब तक वेदों की वाणी, उपनिषदों का चिंतन,ऋषियों की तपश्चर्या और अध्यात्म का प्रकाश कभी मंद नहीं होगा।यही गुरु पूर्णिमा का सनातन संदेश है,यही भारतीय संस्कृति की आत्मा है और यही वह अमर ज्योति है जो युगों-युगों तक सम्पूर्ण मानवता का पथ आलोकित करती रहेगी।

महर्षि वेदव्यास से उपनिषदों तक गुरु-शिष्य परम्परा का अमर आलोक...

भारतीय संस्कृति का सम्पूर्ण आध्यात्मिक वैभव यदि किसी एक सूत्र में पिरोया जा सकता है तो वह है-गुरु।सनातन परम्परा में गुरु केवल शिक्षा देने वाला व्यक्ति नहीं,बल्कि चेतना का जागरण करने वाला वह दिव्य पुरुष है जो शिष्य के भीतर सुप्त ब्रह्मज्ञान को जागृत करता है।संसार में माता- पिता शरीर को जन्म देते हैं,किन्तु गुरु आत्मा का पुनर्जन्म कराते हैं।इसीलिए भारतीय दर्शन ने गुरु को देवताओं से भी उच्च स्थान प्रदान करते हुए उद्घोष किया -'गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुदेवो महेश्वरः।गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः॥' यह केवल स्तुति नहीं,बल्कि भारतीय अध्यात्म का शाश्वत सत्य है।गुरु ही वह सेतु हैं जो जीव को शिव से,जिज्ञासा को ज्ञान से और आत्मा को परमात्मा से जोड़ते हैं।गुरु पूर्णिमा उसी सनातन परम्परा के प्रति श्रद्धा,कृतज्ञता और समर्पण का महापर्व है।आषाढ़ मास की पूर्णिमा भारतीय अध्यात्म में इसलिए भी अत्यंत पवित्र मानी गई है क्योंकि यह महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास की जयंती है।भारतीय ज्ञान परम्परा उन्हें केवल महाकवि या ग्रन्थकार के रूप में नहीं,बल्कि जगद्गुरु के रूप में स्मरण करती है।यदि वेदव्यास न होते तो सम्भवतः वेदों का विशाल ज्ञान सामान्य जन तक कभी व्यवस्थित रूप में नहीं पहुँच पाता।उन्होंने एक अखण्ड वैदिक ज्ञानधारा को चार वेदों-ऋग्वेद,यजुर्वेद,सामवेद और अथर्ववेद -में व्यवस्थित किया।यही कारण है कि उन्हें 'वेदव्यास' की उपाधि प्राप्त हुई।महर्षि वेदव्यास ने केवल वेदों का विभाजन ही नहीं किया,बल्कि महाभारत जैसे विश्व के सबसे विशाल महाकाव्य की रचना की, अठारह पुराणों का संकलन किया तथा ब्रह्मसूत्र की रचना कर वेदान्त दर्शन को दार्शनिक आधार प्रदान किया।श्रीमद्भागवत महापुराण के माध्यम से उन्होंने भक्ति को ज्ञान और वैराग्य के साथ जोड़कर भारतीय अध्यात्म को नई दिशा दी।इसलिए गुरु पूर्णिमा वस्तुतः भारतीय ज्ञान परम्परा के उस महर्षि को नमन करने का दिन है,जिन्होंने ज्ञान को सीमित वर्ग से निकालकर सम्पूर्ण मानवता की धरोहर बना दिया।भारतीय संस्कृति में ज्ञान कभी व्यापार नहीं रहा।वह सदैव साधना का विषय रहा है।यही कारण है कि यहाँ शिक्षा का प्रारम्भ 'विद्या' से होता है और उसका समापन 'ब्रह्मविद्या' पर। वेदों में ज्ञान का उद्देश्य केवल आजीविका नहीं,बल्कि जीवन का आलोक है।ऋग्वेद का उद्घोष - 'आनो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' अर्थात् चारों दिशाओं से कल्याणकारी विचार हमारे पास आएँ-भारतीय ज्ञान परम्परा की उदारता का प्रतीक है।वहीं यजुर्वेद का संदेश-'तमसो मा ज्योतिर्गमय'-अंधकार से प्रकाश की ओर ले चल-वस्तुतः गुरु की ही भूमिका का दार्शनिक प्रतिपादन है।उपनिषदों में गुरु का स्वरूप और भी विराट हो जाता है।वहाँ गुरु केवल उपदेशक नहीं,बल्कि सत्य का साक्षात् अनुभव कराने वाले महापुरुष हैं। मुण्डकोपनिषद् स्पष्ट कहता है - 'तद्विज्ञानार्थंसगुरुमेवाभिगच्छेत्।' अर्थात् ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति के लिए मनुष्य को गुरु के पास ही जाना चाहिए।यह आदेश नहीं, बल्कि अनुभव का निष्कर्ष है। आत्मज्ञान पुस्तकों से नहीं, अनुभूति से प्राप्त होता है और अनुभूति का मार्ग गुरु ही दिखाते हैं।उपनिषदों के अनेक प्रसंग गुरु-शिष्य परम्परा की गरिमा को अमर बनाते हैं।कठोपनिषद् में नचिकेता का यमराज से संवाद केवल प्रश्नोत्तर नहीं,बल्कि जिज्ञासा,धैर्य और सत्य की साधना का अनुपम उदाहरण है।छान्दोग्य उपनिषद् में उद्दालक ऋषि अपने पुत्र श्वेतकेतु से कहते हैं 'तत्त्वमसि' अर्थात् वही परम सत्य तुम स्वयं हो।यह केवल दार्शनिक वाक्य नहीं,बल्कि आत्मबोध की पराकाष्ठा है।इसी प्रकार सत्यकाम जाबाल की सत्यनिष्ठा को देखकर ऋषि गौतम उन्हें शिष्य रूप में स्वीकार करते हैं।इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय गुरु परम्परा में जन्म नहीं,बल्कि सत्य और पात्रता का सम्मान था।गुरु और शिष्य का सम्बन्ध किसी अनुबंध पर नहीं,बल्कि श्रद्धा पर आधारित होता है।श्रद्धा वह भूमि है जहाँ ज्ञान का बीज अंकुरित होता है। सेवा उस बीज को पोषण देती है।समर्पण उसे वृक्ष बनाता है और साधना उसके फल को अमृत बना देती है।इसलिए भारतीय परम्परा में गुरु सेवा को साधना का अभिन्न अंग माना गया है।सेवा का अर्थ केवल शारीरिक श्रम नहीं,बल्कि अपने अहंकार का विसर्जन है।जब शिष्य अपना अहंकार गुरु के चरणों में रख देता है,तभी उसके भीतर ज्ञान का उदय होता है।इसी कारण भारतीय दर्शन में कहा गया है कि ज्ञान का सबसे बड़ा शत्रु अज्ञान नहीं,बल्कि अहंकार है।जिस पात्र में पहले से ही अपने ज्ञान का अभिमान भरा हो,उसमें गुरु नया ज्ञान कैसे भरेंगे? इसलिए गुरु के समीप पहुँचने से पहले शिष्य को अपने भीतर विनम्रता,संयम और श्रद्धा का दीप प्रज्वलित करना पड़ता है।भारतीय गुरुकुल व्यवस्था इसी दर्शन पर आधारित थी।वहाँ शिक्षा केवल शास्त्रों का अध्ययन नहीं थी।शिष्य गुरु के आश्रम में रहकर सेवा,अनुशासन, तप,संयम,आत्मसंयम और प्रकृति के साथ सामंजस्य का अभ्यास करता था।ज्ञान जीवन का व्यवहार बनता था।शिक्षा का उद्देश्य प्रतियोगिता नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण था।इसीलिए उस व्यवस्था से निकले विद्यार्थी केवल विद्वान नहीं,बल्कि ऋषि,दार्शनिक,योद्धा, नीति-निमार्ता और लोकमंगल के साधक बने।भारतीय अध्यात्म में गुरु का सबसे बड़ा कार्य शिष्य को स्वयं से परिचित कराना है।संसार का प्रत्येक ज्ञान बाहर से प्राप्त किया जा सकता है,किन्तु आत्मज्ञान भीतर से ही प्रकट होता है।गुरु उस भीतरी द्वार को खोलते हैं जहाँ आत्मा का साक्षात्कार होता है।इसलिए संत कबीर ने अत्यन्त सरल किन्तु गहन शब्दों में कहा– 'गुरु गोविन्द दोऊ खड़े,काके लागूं पाय।बलिहारी गुरु आपने, गोविन्द दियो बताय॥' कबीर का यह दोहा भारतीय त अध्यात्म का सार है।ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग भी गुरु ही दिखाते हैं।इसलिए गुरु का सम्मान व्यक्ति-पूजा नहीं,बल्कि ज्ञान-पूजा है।गुरु पूर्णिमा उसी ज्ञान-ज्योति के प्रति कृतज्ञता का उत्सव है,जिसने हजारों वर्षों से भारतीय संस्कृति को आलोकित रखा है।गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश केवल गुरु की वंदना तक सीमित नहीं है,बल्कि गुरु के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प भी है।भारतीय आध्यात्मिक परम्परा में श्रद्धा,सेवा, समर्पण और साधना- ये चार स्तम्भ गुरु-शिष्य संबंध की आधारशिला हैं।श्रद्धा के बिना ज्ञान प्राप्त नहीं होता,सेवा के बिना विनम्रता नहीं आती,समर्पण के बिना अहंकार का क्षय नहीं होता और साधना के बिना आत्मबोध संभव नहीं है।यही कारण है कि हमारे ऋषियों ने ज्ञान को केवल बौद्धिक उपलब्धि नहीं माना,बल्कि जीवन की तपश्चर्या का परिणाम बताया।भारतीय दर्शन में श्रद्धा का अर्थ अंधविश्वास नहीं है।श्रद्धा सत्य को जानने की उत्कट इच्छा है।भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं-'श्रद्धावान् लभते ज्ञानम्।'अर्थात् श्रद्धावान व्यक्ति ही ज्ञान प्राप्त करता है।श्रद्धा वह प्रकाश है जो शिष्य को गुरु के वचनों का वास्तविक अर्थ समझने की पात्रता प्रदान करता है।जहाँ श्रद्धा समाप्त होती है,वहाँ शिक्षा सूचना बन जाती है; जहाँ श्रद्धा जीवित रहती है,वहीं शिक्षा आत्मबोध का माध्यम बनती है।सेवा भारतीय गुरु-परम्परा का दूसरा अनिवार्य आयाम है।गुरु की सेवा का तात्पर्य केवल उनके आश्रम या निवास की व्यवस्था करना नहीं था,बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारना था।गुरु के प्रति विनम्रता, अनुशासन,संयम और कर्तव्यनिष्ठा ही वास्तविक सेवा मानी गई।सेवा शिष्य के भीतर छिपे अहंकार को गलाकर उसे ज्ञान ग्रहण करने योग्य बनाती है। भारतीय गुरुकुलों में यही कारण था कि राजकुमार और सामान्य परिवार का बालक समान रूप से आश्रम की सेवा करते थे।वहाँ पद,प्रतिष्ठा और संपत्ति का नहीं,बल्कि संस्कार और साधना का महत्व था।समर्पण गुरु-शिष्य परम्परा का तीसरा सोपान है।समर्पण का अर्थ अपनी बुद्धि का परित्याग नहीं,बल्कि अपने अहंकार का विसर्जन है।जब शिष्य यह स्वीकार करता है कि सत्य उससे बड़ा है और गुरु उस सत्य के अनुभवी पथप्रदर्शक हैं,तभी उसके भीतर ज्ञान का वास्तविक उदय होता है।उपनिषदों के सभी महत्त्वपूर्ण संवाद इसी समर्पण की भूमि पर खड़े हैं।प्रश्न करना भारतीय परम्परा में वर्जित नहीं था,किन्तु प्रश्न के पीछे जिज्ञासा होनी चाहिए,अहंकार नहीं।यही कारण है कि उपनिषदों के संवाद आज भी विश्व की महानतम दार्शनिक धरोहर माने जाते हैं।साधना इन सबका चरम रूप है।साधना केवल जंगलों में तपस्या का नाम नहीं है।अपने विचारों को शुद्ध करना,इन्द्रियों पर संयम रखना, सत्य का पालन करना,करुणा का विस्तार करना और निरन्तर आत्मचिंतन करते रहना भी साधना है।गुरु शिष्य को बाहरी संसार से भागना नहीं सिखाते, बल्कि संसार के बीच रहते हुए स्वयं पर विजय प्राप्त करना सिखाते हैं।भारतीय अध्यात्म का यही वैशिष्ट्य है कि वह जीवन से पलायन नहीं,बल्कि जीवन का परिष्कार सिखाता है।सनातन परम्परा के महान आचार्यों-आदि शंकराचार्य, रामानुजाचार्य, 'मध्वाचार्य,निम्बाकाचार्य, वल्लभाचार्य, रामानन्द,चैतन्य महाप्रभु,गुरु नानक देव,संत कबीर,संत रविदास,तुलसीदास और स्वामी विवेकानन्द-सभी ने अपने-अपने समय में गुरु परम्परा को नई ऊर्जा प्रदान की।युग बदलते रहे,परिस्थितियाँ बदलती रहीं,किन्तु गुरु का स्वरूप नहीं बदला।उन्होंने समाज को केवल धर्म नहीं दिया,बल्कि सत्य, करुणा,समानता और मानवता का मार्ग भी दिखाया।आज का युग कृत्रिम बुद्धिमत्ता,डिजिटल तकनीक और त्वरित सूचना का युग है।ज्ञान के स्रोत पहले से कहीं अधिक उपलब्ध हैं,किन्तु मनुष्य के भीतर शांति,संतुलन और आत्मविश्वास का संकट भी उतना ही गहरा हुआ है।सूचना का विस्तार हुआ है,परन्तु आत्मबोध का विस्तार नहीं हो पाया।ऐसे समय में गुरु की आवश्यकता और अधिक बढ़ जाती है।आधुनिक तकनीक हमें जानकारी दे सकती है,किन्तु विवेक नहीं,वह उत्तर दे सकती है,किन्तु जीवन का उद्देश्य नहीं बता सकती।यही कार्य गुरु करते हैं।गुरु मनुष्य को केवल सफल नहीं,बल्कि सार्थक बनाते हैं।गुरु पूर्णिमा हमें यह भी स्मरण कराती है कि प्रत्येक मनुष्य के जीवन में अनेक गुरु होते हैं।माता-पिता प्रथम गुरु हैं, शिक्षक विद्या के गुरु हैं,प्रकृति मौन गुरु है,अनुभव जीवन का गुरु है और अंततः आत्मा स्वयं परम गुरु की ओर ले जाने वाला सेतु बन जाती है।इसलिए भारतीय संस्कृति में गुरु का स्वरूप सीमित नहीं,बल्कि विराट है।जहाँ कहीं से भी सत्य का प्रकाश प्राप्त हो,वही गुरु है।आज आवश्यकता इस बात की है कि हम गुरु पूर्णिमा को केवल औपचारिक कार्यक्रम या पुष्पांजलि तक सीमित न रखें।यदि हम वास्तव में इस पर्व का सम्मान करना चाहते हैं तो अपने जीवन में सत्य,अनुशासन, विनम्रता,सेवा,करुणा और आत्मसंयम को स्थान दें।यही महर्षि वेदव्यास के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी और यही भारतीय ऋषि-परम्परा का सम्मान भी।महर्षि वेदव्यास ने जिस ज्ञान-गंगा को प्रवाहित किया,वह आज भी उतनी ही निर्मल और प्रासंगिक है।वेदों का प्रकाश,उपनिषदों की अनुभूति, पुराणों की प्रेरणा और महाभारत का जीवन-दर्शन-इन सबका मूल उद्देश्य मनुष्य को उसके वास्तविक स्वरूप से परिचित कराना है।गुरु पूर्णिमा उसी अमर परम्परा का स्मरण- पर्व है,हमें बताती है कि जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य केवल भौतिक समृद्धि नहीं, बल्कि आत्मिक उत्कर्ष है।अंततः गुरु पूर्णिमा हमें संदेश देती है कि गुरु के चरणों में झुकना किसी व्यक्ति के सामने झुकना नहीं, बल्कि ज्ञान,सत्य और सनातन संस्कृति के समक्ष विनम्र होना है।जब तक भारत की धरती पर गुरु-शिष्य परम्परा जीवित रहेगी,तब तक वेदों की वाणी, उपनिषदों का चिंतन,ऋषियों की तपश्चर्या और अध्यात्म का प्रकाश कभी मंद नहीं होगा।यही गुरु पूर्णिमा का सनातन संदेश है,यही भारतीय संस्कृति की आत्मा है और यही वह अमर ज्योति है जो युगों-युगों तक सम्पूर्ण मानवता का पथ आलोकित करती रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका : फूड फेस्टिवल में गोलीबारी, मची अफरा-तफरी, बच्चे समेत 4 लोग घायल

सिएटल, एजेंसी। अमेरिका के सिएटल में रविवार रात हुई गोलीबारी में एक बच्चे समेत कम से कम चार लोग घायल हो गए। यह घटना स्पेस नीडल के पास स्थित एक कार्यक्रम स्थल में हुई। एक अस्पताल की प्रवक्ता ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने तुरंत इस घटना से जुड़ी ज्यादा जानकारी जारी नहीं की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने लोगों से इस इलाके से दूर रहने की अपील की है। हार्बरव्यू मेडिकल सेंटर की प्रवक्ता सुसान ग्रेग ने बताया कि अस्पताल में चार घायलों को भर्ती कराया गया है। इनमें एक छोटा बच्चा, 23 साल का एक युवक और दो महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि एक घायल की हालत गंभीर है। सिएटल सेंटर में पूरे सप्ताहांत बाइट ऑफ सिएटल फूड फेस्टिवल चल रहा था। एक चश्मदीद एस्टन वाकोनाबो ने बताया कि वह अपनी गर्लफ्रेंड के साथ फेस्टिवल में फोटो बूथ के लिए लाइन में खड़े थे। तभी किसी ने उन्हें पीछे से धक्का दिया। जब उन्होंने पीछे मुड़कर देखा तो बड़ी संख्या में लोग भागते हुए नजर आए। वाकोनाबो ने कहा, लोग छिप रहे थे। एक-दूसरे को धक्का दे रहे थे। कई लोग जमीन पर गिर रहे थे और बच्चों की गाड़ियां भी गिर रही थीं।

बोस्निया के 5 पर्वतारोहियों की भीषण तूफान से मौत की आशंका

साराजेवो, एजेंसी। यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रस पर आए भीषण तूफान में बोस्निया के पांच पर्वतारोहियों की मौत की आशंका है। बोस्नियाई पर्वतारोही बचाव सेवा ने रविवार को यह जानकारी दी। रूसी आपातकालीन मंत्रालय ने बताया कि समूह के दो अन्य सदस्यों को सुरक्षित बचाकर अस्पताल पहुंचाया गया है। अधिकारियों को 5,350 मीटर की ऊंचाई पर दो शव मिले हैं, जिन्हें मौसम ठीक होने पर नीचे लाया जाएगा। तीन अन्य शवों की तलाश जारी है। 5,642 मीटर ऊंचा माउंट एल्ब्रस अचानक बदलते खराब मौसम के लिए जाना जाता है। मीडिया के मुताबिक, सात सदस्यीय इस दल में एक दंपती और एक डॉक्टर भी शामिल थे।

अंतरिक्ष कचरे की निगरानी के लिए चीन ने शुरू किया वाणिज्यिक उपग्रह नेटवर्क का प्रक्षेपण

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने अंतरिक्ष कचरे की निगरानी और चौबीसों घंटे सभी कक्षाओं में लक्ष्यों का पता लगाने के लिए अपने पहले वाणिज्यिक उपग्रह नेटवर्क गैंडे कॉन्स्टलेशन का प्रक्षेपण शुरू कर दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित कंप्यूटर से लैस इस 120 उपग्रहों वाले नेटवर्क का पहला उपग्रह शुक्रवार को उत्तर-पश्चिमी चीन से लिजियान-1 वाणिज्यिक रॉकेट के जरिये छोड़ा गया। यह मिशन तीन चरणों में पूरा किया जाएगा। इसके 2030 तक पूरा होने की उम्मीद है। इससे चीन की अंतरिक्ष यातायात प्रबंधन क्षमता मजबूत होगी, टकराव से बचाव संभव होगा और उसके वाणिज्यिक व सैन्य अभियानों को सुरक्षा मिलेगी।

इमरान खान की रैली पर रोक, अदालत जाएगा पीटीआई

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को 5 अगस्त को लाहौर में रैली आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। यह दिन इमरान खान के जेल में तीन वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रस्तावित कार्यक्रम का था। पीटीआई के महासचिव सलमान अकरम राजा ने कहा कि लाहौर के डिप्टी कमिश्नर ने शांतिपूर्ण सभा की अनुमति संबंधी आवेदन पर कोई जवाब नहीं दिया, जिसे अनुमति से इनकार माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी अब रैली की अनुमति के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाएगी। प्रेस वार्ता में पीटीआई नेताओं ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हालिया हिंसा पर भी चिंता जताई। उनका दावा है कि विवादित शरणार्थी सीटों को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान 100 से अधिक लोगों की मौत हुई।

क्यूबा की क्रांति समारोह में नहीं दिखे राउल कास्त्रो

हवाना, एजेंसी। क्यूबा ने रविवार को 26 जुलाई 1953 की ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई की वर्षगांठ पर पारंपरिक समारोह आयोजित किया, लेकिन 95 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो की अनुपस्थिति चर्चा का विषय बन गई। पिछले तीन दशक में यह पहला अवसर है जब वह इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए और उनकी गैरमौजूदगी पर सरकार की ओर से कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया। यह आयोजन फिदेल और राउल कास्त्रो द्वारा तत्कालीन तानाशाह फुल्गेंसियो बतिस्ता के खिलाफ मोनकाडा और कार्लोस मैनुअल डे सेस्पेडेस बैरकों पर 26 जुलाई 1953 को किए गए हमले की याद में किया जाता है।

मुझे गिरफ्तार नहीं करा पाएंगे: न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी पर बरसे नेतन्याहू

तेलअवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। ममदानी ने कहा था कि यदि नेतन्याहू संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क आते हैं तो उन्हें युद्ध अपराधों के आरोपों में गिरफ्तार किया जाना चाहिए। इसके जवाब में नेतन्याहू ने कहा कि वह सितंबर में संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक बैठक में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क जरूर जाएंगे।

जोहरान ममदानी ने क्या कहा था : पिछले सप्ताह ममदानी ने कहा था कि न्यूयॉर्क सिटी के पास अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट को लागू करने का कानूनी अधिकार नहीं है, लेकिन उन्होंने संघीय सरकार से इसे लागू करने की अपील की थी। फॉक्स न्यूज चैनल के कार्यक्रम 'संडे मॉर्निंग फ्यूचर्स विद मारिया बार्टिरोमो' में नेतन्याहू ने कहा, 'एक मेयर को सभी न्यूयॉर्कवासियों-यहूदियों, ईसाइयों, मुसलमानों और अन्य समुदायों का प्रतिनिधित्व करना चाहिए। लेकिन वह एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।'

इस्राइल-गाजा युद्ध को लेकर विवाद क्यों बढ़ा : गाजा में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई को लेकर नेतन्याहू लगातार विवादों के केंद्र में रहे हैं। यह युद्ध 7 अक्टूबर 2023 को हमास के लड़ाकों द्वारा दक्षिणी इस्राइल पर किए गए घातक हमले के बाद शुरू हुआ था। इसके बाद इस्राइल ने गाजा में व्यापक सैन्य अभियान चलाया। बाद में ईरान के साथ संघर्ष और दक्षिणी लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के खिलाफ भी इस्राइल ने सैन्य कार्रवाई की।

आईसीसी के आरोपों पर नेतन्याहू ने क्या कहा : नेतन्याहू ने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) द्वारा लगाए गए युद्ध अपराधों के आरोपों को 'फर्जी' बताया। उन्होंने कहा कि आईसीसी के शीर्ष अभियोजक पर लगे यौन दुराचार के आरोपों और उनके पद से हटाए जाने के बाद यह स्पष्ट है कि गिरफ्तारी वारंट ध्यान भटकाने की कोशिश थी।

क्या अमेरिका में इस्राइल को मिलने वाला समर्थन कमजोर पड़ रहा : नेतन्याहू ने चिंता जताई कि अमेरिका में इस्राइल को मिलने वाला रिपब्लिकन और डेमोक्रेट, दोनों दलों का पारंपरिक समर्थन अब कमजोर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से प्रगतिशील और वामपंथी डेमोक्रेट नेताओं के कारण पार्टी के भीतर मतभेद बढ़ रहे हैं।

अमेरिका में यहूदी समुदाय को लेकर क्या बोले नेतन्याहू : नेतन्याहू ने अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों में बढ़ती यहूदी विरोधी घटनाओं (एंटीसेमिटिज्म) पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क, जहां दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी यहूदी आबादी रहती है, वहां के कई यहूदी स्वयं को असहज और असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

ममदानी ने चुनाव प्रचार के दौरान क्या वादा किया था : मेयर चुनाव अभियान के दौरान ममदानी ने कहा था कि यदि वह चुने गए तो न्यूयॉर्क पुलिस को ढ्ढष्टष्ट के गिरफ्तारी वारंट को लागू करने का निर्देश देंगे। हालांकि, पिछले सप्ताह उन्होंने स्वीकार किया कि शहर के पास ऐसा करने का कानूनी अधिकार नहीं है और उन्होंने संघीय सरकार से कार्रवाई करने की अपील की। ममदानी ने एक वीडियो संदेश में कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि बेंजामिन नेतन्याहू का न्यूयॉर्क शहर में स्वागत नहीं है और न ही किसी ऐसे व्यक्ति का, जिस पर युद्ध अपराधों के आरोप हों।' उन्होंने यह भी कहा कि न्यूयॉर्क में विरोध प्रदर्शन की अभिव्यक्ति का हमेशा सम्मान किया जाएगा। हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने नेतन्याहू, उनके पूर्व रक्षा मंत्री और हमास के दिवंगत नेता पर मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप लगाए हैं। वहीं, फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, गाजा में इज़राइली सैन्य कार्रवाई में 73,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें लगभग आधी महिलाएं और बच्चे हैं। दूसरी ओर, 7 अक्टूबर 2023 को हमास के शुरुआती हमले में लगभग 1,200 लोग, जिनमें अधिकांश आम नागरिक थे, मारे गए थे।

क्या ट्रंप ने नेतन्याहू को गिरफ्तारी से सुरक्षा का भरोसा दिया : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में किसी भी परिस्थिति में बेंजामिन नेतन्याहू को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

मध्यस्थ देशों के जरिए अमेरिका के साथ संदेशों का आदान-प्रदान जारी : ईरान

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा है कि अमेरिका, पाकिस्तान और कतर सहित कुछ मध्यस्थ देशों के जरिए ईरान के साथ संदेशों का आदान-प्रदान कर रहा है। ईरानी मीडिया ने ऑस्ट्रियाई प्रसारक ओआरएफ को दिए गए उनके इंटरव्यू के हवाले से यह जानकारी दी। इस्माइल बघाई ने इंटरव्यू में कहा कि किसी भी बातचीत की शुरुआत के लिए पहले 'उचित माहौल' तैयार होना चाहिए। उनका कहना था कि अमेरिका ने ऐसा माहौल खुद ही नष्ट कर दिया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने अमेरिका पर ईरान-अमेरिका के बीच हुए समझौता ज्ञापन की सभी शर्तों का व्यवहार में उल्लंघन करने का आरोप लगाया। प्रवक्ता ने कहा कि इस समय ईरान की प्राथमिकता अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना तथा अपने लोगों को उन युद्ध अपराधों से बचाना है, जो उनके अनुसार अमेरिका द्वारा किए जा रहे हैं। 18 जून को हुए समझौते के तहत अमेरिका और ईरान को 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते तक पहुंचने के लिए बातचीत करनी थी। हालांकि, पिछले दो सप्ताह में दोनों देशों के बीच तनाव और झड़पें बढ़ने के बाद इन वार्ताओं का भविष्य अनिश्चित बना हुआ है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान, अमेरिका के साथ बातचीत करना चाहता है, लेकिन तेहरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में उन्होंने अपनी सरकार की इस नीति को दोहराया। ट्रंप ने कहा, 'वे इस समय हमसे बात कर रहे हैं। वे समझौता करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वे अभी इसके लिए तैयार हैं। अभी सही समय नहीं है। लेकिन मैं उनकी बात सुनने को तैयार हूं।' ट्रंप ने स्पष्ट किया कि अमेरिका, ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा, 'ईरान परमाणु हथियार नहीं रख सकता। उन्होंने कहा, 'हम नहीं चाहते कि वॉशिंगटन डीसी, हमारे अन्य शहर, इजरायल या पूरा मध्य पूर्व किसी परमाणु हथियार से तबाह हो जाए।' ट्रंप ने यह भी दावा किया कि हालिया अमेरिकी सैन्य कार्रवाई से ईरान की सैन्य क्षमता को बड़ा नुकसान पहुंचा है, हालांकि उन्होंने अपने दावों के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। उन्होंने कहा, 'हमने ईरान को बहुत कड़ा झटका दिया है।' ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की नौसेना और वायुसेना लगभग खत्म हो चुकी हैं और 250 विमान, 159 नौकाएं, रडार सिस्टम तथा अपनी ड्रोन क्षमता का बड़ा हिस्सा खो दिया है।

पाकिस्तान में तड़प-तड़पकर मर रहे लोग; आईसीयू में जगह नहीं, वेंटिलेटर की भारी कमी

इस्लामाबाद , एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान में इन दिनों हालात बेहद खराब हैं। देश की राजधानी इस्लामाबाद के सरकारी अस्पतालों में वेंटिलेटर की भारी किल्लत हो गई है। इसकी वजह से चिकित्सा सेवा पूरी तरह चरमरा गई है। आईसीयू लगातार फुल है और गंभीर स्थिति वाले मरीजों को भी वेंटीलेटर के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

ऐसे में इंतजार के दौरान ही कई लोगों की तड़प तड़पकर मौत हो जा रही है। हाल ही में पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में पाकिस्तान के एक वरिष्ठ पत्रकार आबिद रजा काजमी की मौत के बाद यह संकट एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। जानकारी के मुताबिक स्ट्रोक आने के बाद डॉक्टरों ने काजमी को वेंटिलेटर पर रखने की सलाह दी थी। हालांकि पीआईएमएस में आईसीयू के सभी 12 वेंटिलेटर फुल थे। परिजन जब तक उन्हें किसी प्राइवेट अस्पताल शिफ्ट करते, तब तक उन्होंने दम तोड़ दिया। पाकिस्तानी न्यूजपेपर डॉन की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामाबाद के दो सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों, क्कढ्ढरूस्न और पॉलीक्लिनिक अस्पताल की हालत बेहद खस्ता है। PIMS के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. राणा इमरान सिकंदर ने बताया है कि अस्पताल के अलग-अलग आईसीयू में 90 से ज्यादा वेंटिलेटर हैं, लेकिन लगभग 100 फीसदी वेंटिलेटर हमेशा भरे रहते हैं। अस्पताल के प्रवक्ता डॉ. अब्दुल जब्बार भुट्टो के मुताबिक यहां भी सभी 35 वेंटिलेटर लगातार ऑक्यूपाइड रहते हैं। अधिकारियों के मुताबिक इस संकट के पीछे कई बड़े कारण हैं। PIMS अस्पताल का निर्माण तब हुआ था जब इस्लामाबाद की आबादी मात्र 5 लाख थी। आज यह अस्पताल देशभर के लगभग 50 लाख लोगों की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा कर रहा है। इसके अलावा निजी अस्पतालों में आईसीयू का खर्च 3 लाख रुपये प्रति दिन तक पहुंच गया है। इस भारी भरकम खर्च की वजह से बड़ी संख्या में लोग आज भी सरकारी अस्पतालों का रुख करने को मजबूर हैं। इसके अलावा अस्पतालों का कहना है कि सिर्फ मशीनें बढ़ा देने से समस्या हल नहीं होगी।

होर्मुज स्ट्रेट में बड़ा हादसा! समुद्री माइन से टकराने के बाद ऑयल टैंकर में विस्फोट, मचा हड़कंप

तेहरान, एजेंसी। रविवार को ईरानी मीडिया ने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में एक तेल टैंकर समुद्री बारूदी सुरंग (Sea Mine) से टकराने के बाद विस्फोट का शिकार हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, जहाज कथित तौर पर ईरान द्वारा निर्धारित शिपिंग रूट से हट गया था, जिसके बाद यह हादसा हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि टैंकर ने निर्धारित समुद्री मार्ग का पालन नहीं किया और इसी दौरान वह बारूदी सुरंग की चपेट में आ गया। हालांकि, अभी तक जहाज के मालिक, उसके गंतव्य, चालक दल की स्थिति या नुकसान की वास्तविक सीमा को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

ऊर्जा बाजारों पर पड़ सकता है असर : यह घटना दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा व्यापार मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य में हुई है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ऐसे में इस तरह की किसी भी घटना का असर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा बाजारों पर पड़ सकता है। फिलहाल इस घटना की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित अधिकारियों की ओर से विस्तृत आधिकारिक बयान का इंतजार किया जा रहा है।

इस बीच ईरानी सेना के प्रवक्ता मोहम्मद अकरमीनिया ने कहा कि पिछले दो दिनों से अमेरिका की ओर से ईरानी ठिकानों पर कोई हमला नहीं किया गया है। ऐसे में ईरान ने भी अपनी जवाबी सैन्य कार्रवाई को फिलहाल अस्थायी रूप से रोक दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान की रणनीति हमेशा जवाबी कार्रवाई की रही है। जब अमेरिका ने हमले बंद किए, तो ईरान ने भी अपने सैन्य अभियान रोक दिए।

क्या फिर खुलेगा बातचीत का रास्ता : ईरान के इस फैसले के बाद दोनों देशों के बीच एक बार फिर कूटनीतिक बातचीत शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, दोनों देशों की सेनाएं अभी भी पूरी तरह सतर्क हैं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिलहाल अमेरिका ने भी ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियान पर रोक लगा रखी है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, पेंटागन के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई फिलहाल होल्ड पर है। हालांकि, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में चेतावनी दे चुके हैं कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका पहले से कहीं अधिक बड़े स्तर पर हमला करने से पीछे नहीं हटेगा। वहीं, द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि आगे की सैन्य कार्रवाई टालने की एक वजह अमेरिकी रक्षा प्रणाली, विशेष रूप से पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों के सीमित भंडार को भी माना जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि व्हाइट हाउस किसी बड़े युद्ध के आर्थिक और रणनीतिक प्रभावों का भी आकलन कर रहा है।

ईरान ने दी दोबारा जवाबी कार्रवाई की चेतावनी : हालांकि फिलहाल हालात कुछ शांत दिखाई दे रहे हैं, लेकिन ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि अमेरिका दोबारा उसके ठिकानों पर हमले शुरू करता है, तो वह भी अपनी जवाबी सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू करेगा। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

रूस ने रद्द की सेंट पीटर्सबर्ग नेवी डे परेड, यूक्रेनी ड्रोन हमलों के डर से पुतिन का बड़ा फैसला, इंटरनेट भी ठप

सेंट पीटर्सबर्ग , एजेंसी। रूस ने सुरक्षा कारणों और यूक्रेनी ड्रोन हमलों के बढ़ते खतरे के मद्देनजर सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित होने वाली अपनी भव्य 'नेवी डे परेड' को लगातार दूसरे साल रद्द कर दिया है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस अवसर पर मुख्य परेड में शामिल होने के बजाय नौसेना मुख्यालय 'एडमिरल्टी' में नाविकों को संबोधित किया।

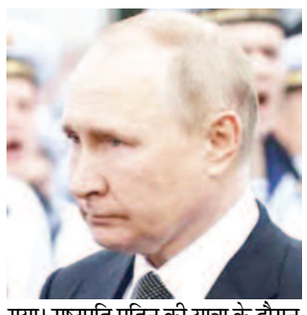

नेवी डे रूस का एक प्रमुख राष्ट्रीय अवकाश है, जिसे जुलाई के अंतिम रविवार को मनाया जाता है। साल 2017 के बाद से ही इस दिन बाल्टिक, काला सागर और प्रशांत बेड़े के युद्धपोतों का शक्ति प्रदर्शन देखने को मिलता था, लेकिन इस बार सुरक्षा के नाम पर समारोहों को बेहद सीमित रखा गया। राष्ट्रपति पुतिन की यात्रा के दौरान सेंट पीटर्सबर्ग में असाधारण सुरक्षा उपाय देखे गए। स्थानीय निवासियों के अनुसार, पुतिन के आगमन के दौरान शहर के बड़े हिस्से में इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह ठप रहीं। विशेषज्ञों का मानना है कि यूक्रेन की बढ़ती डीप-स्ट्राइक क्षमता, यानी रूस के भीतर गहराई तक हमला करने की ताकत ने क्रेमलिन को रक्षात्मक रुख अपनाने पर मजबूर कर दिया है। रूसी रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया गया कि इस साल परेड के लिए कोई सैन्य आदेश जारी ही नहीं किए गए थे, क्योंकि अधिकारियों का मानना था कि यह इसके लिए सही समय नहीं है। सेंट पीटर्सबर्ग, यूक्रेन की सीमा से लगभग 1,100 किलोमीटर दूर स्थित है और राष्ट्रपति पुतिन का गृहनगर भी है। ऐतिहासिक रूप से यह शहर रूस की सबसे मजबूत वायु रक्षा प्रणालियों से घिरा रहा है, लेकिन हाल के महीनों में यूक्रेनी ड्रोनों ने इस सुरक्षा कवच में सेंध लगाई है। जून में आर्थिक फोरम के दौरान यहां के एक ऑयल टर्मिनल पर ड्रोन हमला हुआ था, वहीं हाल ही में 24 जुलाई को 'वाइल्डबेरीज' के गोदामों को निशाना बनाया गया, जिससे शहर के पुल्कोवो एयरपोर्ट पर उड़ानों को रोकना पड़ा था। परेड का रद्द होना पुतिन के उस प्रचार अभियान के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जिसके जरिए वे रूस की सैन्य श्रेष्ठता प्रदर्शित करते रहे हैं। इससे पहले मई में मॉस्को की 'विक्ट्री डे परेड' को भी सुरक्षा कारणों से काफी छोटा कर दिया गया था। दूसरी ओर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने हाल ही में घोषणा की है कि उनके पास रूस के भीतर हमला करने के लिए 3,000 किलोमीटर से अधिक की रेंज वाले हथियारों की नई सूची तैयार है। फिलहाल, रूस अपनी ऐतिहासिक धरोहरों और सैन्य प्रतिष्ठानों को यूक्रेनी ड्रोनों से बचाने की चुनौती से जूझ रहा है।

रूस को नाटो का करारा जवाब! रोमानिया ने एफ-16 से मार गिराया रूसी ड्रोन, 3 दिन में तीसरी घुसपैठ

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे भीषण युद्ध की आंच अब पड़ोसी नाटो देशों तक पहुंचने लगी है। नाटो सदस्य देश रोमानिया ने रविवार को अपने हवाई क्षेत्र में घुसपैठ करने वाले एक संदिग्ध रूसी ड्रोन को मार गिराया। रोमानियाई वायुसेना ने इस कार्रवाई के लिए अपने आधुनिक एफ-16 फाइटर जेट्स का इस्तेमाल किया।

चौंकाने वाली बात यह है कि पिछले तीन दिनों के भीतर रोमानियाई सीमा में घुसपैठ की यह तीसरी बड़ी घटना है, जिसने पूर्वी यूरोप में तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है। सैन्य अधिकारियों के अनुसार, यह घटना रविवार सुबह करीब 10:13 बजे की है। रोमानिया के समुद्री क्षेत्र के ऊपर, विशेष रूप से सुलिना-चिलिया इलाके में एक अज्ञात ड्रोन देखा गया था। नाटो के ऑपरेशनल कमांड के निर्देश पर फेतेस्टी एयरबेस से तत्काल दो एफ-16 फाइटर जेट्स ने उड़ान भरी और काला सागर के ऊपर इस ड्रोन को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया।

प्रारंभिक जांच में अधिकारियों को पता चला है कि नष्ट किया गया ड्रोन शहेद प्रकार का था, जिसका इस्तेमाल रूसी सेना यूक्रेन के खिलाफ हमलों में बड़े पैमाने पर कर रही है। नाटो के सुप्रीम हेडक्वार्टर एलाइड पावर्स यूरोपके प्रवक्ता कर्नल मार्टिन ओ'डोनेल ने पुष्टि की कि यह हाल के समय में चौथी ऐसी घटना है जहां रोमानिया ने नाटो हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने वाले ड्रोन को मार गिराया है। रूस के बढ़ते ड्रोन खतरों से निपटने के लिए रोमानिया ने अपनी सुरक्षा को और मजबूत किया है। देश ने हाल ही में 'मेरोप्स' काउंटर-ड्रोन सिस्टम हासिल किया है। यह अत्याधुनिक प्रणाली तीन-फ़ीट लंबे सस्ते ड्रोन फायर करके आने वाले शहेद जैसे घातक ड्रोनों को हवा में ही ढेर करने में सक्षम है।

इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता : रोमानिया के राष्ट्रपति निकुसोर डैन ने रूसी फेडरेशन की इन हरकतों पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि रोमानिया के हवाई क्षेत्र का बार-बार उल्लंघन मंजूर करने लायक नहीं है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि मई में भी एक रूसी ड्रोन रास्ता भटककर पूर्वी रोमानिया की एक रिहायशी इमारत से टकरा गया था, जिसमें दो लोग घायल हुए थे। इस संकट की घड़ी में नाटो के अन्य सदस्य देश भी रोमानिया के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। बेल्जियम ने रूसी घुसपैठ को यूरोपीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताते हुए रोमानिया के साथ अपनी मजबूती जाहिर की है। वर्तमान में, नाटो की पूर्वी सीमा की सुरक्षा के लिए बेल्जियम के 300 सैनिक रोमानिया में तैनात हैं।

बर्लिन प्राइड परेड पर जानलेवा हमला, एक की मौत कई घायल; संदिग्ध भी मारा गया

बर्लिन, एजेंसी। बर्लिन प्राइड' पर हुए जानलेवा हमले के संदिग्ध को रविवार को शहर के बाहरी इलाके में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में गोली मारकर मार दी गई, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोपी के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और 29 लोग घायल हो गए थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बर्लिन के मध्य क्षेत्र में हुए हमले के बाद लगभग 24 घंटे तक चली तलाश के उपरांत लेबनानी मूल के जर्मन नागरिक अब्दुल बल्लूट को पुलिस ने ढूंढ़ निकाला।

आईएस में शामिल होने की कर चुका था कोशिश : बर्लिन प्राइड हमले का संदिग्ध व्यक्ति पहले इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह में शामिल होने की कोशिश कर चुका था। जर्मनी के अभियोजकों ने रविवार को यह कहा। अधिकारियों ने एक 'वॉन्टेड' नोटिस जारी किया और लोगों को चेतावनी दी कि वे लेबनानी अब्दुल बल्लूट के पास न जाएं, क्योंकि वह हथियारबंद और खतरनाक हो सकता है। बल्लूट जर्मन नागरिक है और उसकी जड़ें लेबनान से जुड़ी हैं। उस पर आरोप है कि शनिवार रात प्राइड के समापन संगीत कार्यक्रम के पास उसने एक वैन भीड़ में घुसा दी, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। इसके बाद उसने कथित तौर पर एक धारदार हथियार से कई और लोगों पर हमला किया।

गृह मंत्री ने क्या बताया : गृह मंत्री अलेक्जेंडर डोब्रिंट ने कहाकि यहां हम जो कुछ भी देख रहे हैं, उससे यही संकेत मिलता है कि हम एक इस्लामी आतंकी हमले से निपट रहे हैं। डोब्रिंट ने घायलों की कुल संख्या 29 बताई। उन्होंने कहा कि संदिग्ध व्यक्ति पहले भी कई अपराधों में शामिल होने के कारण अधिकारियों की नजर में था, हालांकि उन्होंने उन अपराधों का विवरण नहीं दिया। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, वह जर्मनी की राजधानी में कट्टरपंथी और इस्लामी चरमपंथी समूहों से जुड़े होने के कारण भी सुरक्षा एजेंसियों की नजर में था।

लोगों को मिली सलाह : डोब्रिंट ने कहाकि संदिग्ध व्यक्ति को अतीत में बर्लिन में दोषी ठहराया गया था, हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि उसे किस मामले में दोषी ठहराया गया था। संदिग्ध की तलाश के लिए पुलिस ने शहर में अभियान चलाया। इसमें रविवार तड़के बर्लिन के श्योनेबर्ग प्रांत में एक अपार्टमेंट की तलाशी भी ली गई, लेकिन पुलिस ने बताया कि वहां कोई नहीं मिला। इस बीच चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने शनिवार को हुए घातक हमले के बाद जर्मनी के लोगों से कहाकि वे समाज में आपसी फूट और डर का माहौल पैदा करने वाली बातों से बचें।

परेड में घुस गई वैन : इससे पहले पुलिस ने कहा था कि कुछ घायलों की हालत गंभीर है। पुलिस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लोगों से घटनास्थल तुरंत खाली करने की अपील की, ताकि एंबुलेंस और दमकल कर्मी राहत एवं बचाव कार्य कर सकें। पुलिस के अनुसार, रात करीब 10 बजे एक सफेद रंग की वैन टियरगार्टन पार्क में घुस गई। यह पार्क उस मार्ग के पास है, जहां से कुछ समय पहले 'प्राइड मार्च' गुजरा था। वैन ने कई लोगों को टक्कर मारी और बाद में एक पेड़ से जा टकराई। बर्लिन के मेयर काई वेगनर ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहाकि यह हमारे स्वतंत्र और उदार समाज पर हमला है। मुझे पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों पर पूरा भरोसा है कि वे चौबीसों घंटे काम कर इस मामले की जांच करेंगी। इस बीच, अधिकारियों ने घटना के प्रत्यक्षदर्शियों से आगे आने और उनके पास मौजूद वीडियो या तस्वीरें पुलिस को उपलब्ध कराने की अपील की। जर्मनी में 'क्रिस्टोफर स्ट्रीट डे' के नाम से आयोजित होने वाली बर्लिन की 'प्राइड परेड' में शनिवार को भाग लेने के लिए लाखों लोग पहुंचे थे। यह यूरोप के सबसे बड़े 'एलजीबीटीक्यू प्लस' आयोजनों में से एक है।

कोर्स चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान

हर विद्यार्थी पढ़ाई के बाद अच्छी सैलरी, अच्छा पे-पैकेज चाहता है। मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद उसे अपने सपने पूरे होते दिखाई देते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपकी मैथ्स, कॉमर्स और इकोनॉमिक्स जैसे विषयों में रुचि हो। इसके बाद ही कॉलेज सिलेक्ट करें, क्योंकि भारत में मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट्स की बाढ़-सी आई हुई है। इसलिए कहीं भी एडमिशन से पहले उसकी विश्वसनीयता परख लें कि वह एआईसीटीई (ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन) या यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन) से मान्यता प्राप्त है या नहीं। फैकल्टी के बारे में फर्स्ट हैंड इंफॉर्मेशन वहां के स्टूडेंट्स से हासिल करें। उनसे इंटर्नशिप और प्लेसमेंट की जानकारी भी लें। आंख मूंदकर सिर्फ कॉलेज की वेबसाइट पर भरोसा न करें।

कैसे करें सिलेक्शन

आम तौर पर 12वीं में विद्यार्थी साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स, जो भी स्ट्रीम सिलेक्ट करते हैं, उससे उनके आगे का करियर तय होता है। इसी आधार पर वे मेडिकल, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस, सीए, सीएस, एमबीए, होटल मैनेजमेंट, फैशन डिजाइनिंग आदि कोर्सेज में दाखिले की तैयारी करते हैं। यहीं स्टूडेंट्स को यह बताना और समझाना जरूरी हो जाता है कि वे किस आधार पर अमुक कोर्स या कॉलेज का चयन करें।

पैशन को पहचानें

आपका पैशन क्या है? आप क्या पढ़ना चाहते हैं? किन विषयों में आपकी रुचि है? इन सब पर ध्यान देते हुए ही करियर का चुनाव करें। पैशन को पहचानने का सही समय 10वीं से 12वीं तक होता है। समय पर निर्णय लेंगे, स्ट्रैटेजी, प्लानिंग के साथ आगे बढ़ेंगे, तो ऑप्शंस की कमी नहीं रहेगी।

दूर करें कंफ्यूजन

कभी भी करियर का फैसला आखिरी समय में न लें। इससे गलतियां होने की आशंका बढ़ जाती है। अगर कंफ्यूजन है, तो अपने टीचर, पैरेंट्स या सीनियर्स से मार्गदर्शन लें। चर्चा करने से समस्याओं का हल निकल आता है।

दोस्तों की नकल नहीं

हर विद्यार्थी की रुचि और क्षमता अलग होती है। किसी को मैथ्स अच्छा लगता है, किसी को पेंटिंग में मजा आता है, तो कोई डांसर बनना चाहता है। लेकिन जरूरी नहीं कि जो दूसरे कर रहे हों, आप भी वैसा ही करें। जबरन इंजीनियरिंग या मेडिकल की तैयारी में वक्त बर्बाद न करें।

बड़े काम की हैं फ्रीलांसिंग

आजकल अनेक प्रोफेशनल्स किसी कंपनी के एम्प्लॉयी के तौर पर कई-कई घंटे और वह भी असुविधाजनक समय पर, काम करने के बजाय फ्रीलांसर के तौर पर काम करना पसंद कर रहे हैं। अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए वे किसी कंपनी के ब्रांड नेम पर निर्भर रहने के बजाय अपनी प्रतिभा पर विश्वास कर रहे हैं।

यह बात खास तौर पर क्रिएटिव फील्ड से जुड़े लोगों पर लागू होती है, जैसे फोटोग्राफर, राइटर, कॉपी एडिटर, पेंटर, फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, कार्टूनिस्ट आदि। फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसे कई बंधनों से मुक्त हो जाते हैं, जो किसी कंपनी के रेगुलर एम्प्लॉयी के तौर पर आपको मानने पड़ते हैं।

काम के घंटे

फ्रीलांसर को 9 से 5 बजे तक ऑफिस में बैठकर काम नहीं करना होता। अगर आप सुबह देर से उठते हैं और रात देर तक काम करना चाहते हैं, तो फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसा कर सकते हैं। फ्रीलांसिंग में सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप अपनी सुविधा से अपना काम का समय चुन सकते हैं।

ऑफिस पॉलिटिक्स

हर ऑफिस में खेमेबाजी, राजनीति आदि होती ही है। कोई आपके काम का श्रेय लेने की फिराक में रहता है, कोई पीठ पीछे आपकी बुराई करता है। कई लोग ऐसे माहौल में असहज हो जाते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ काम नहीं कर पाते। अगर आप ऐसे लोगों में से हैं, जिन्हें इस तरह का माहौल कतई बर्दाश्त नहीं, तो फ्रीलांसिंग आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है। यहां बस आप हैं और आपका काम है।

सैलरी

आपको मैनेजमेंट के साथ अपने वेतन और वेतनवृद्धि को लेकर मोलभाव नहीं करना होता। एक बार आपने खुद को फ्रीलांसर के तौर पर स्थापित कर लिया, तो आप जो उचित समझें, उतना पैसा डिमांड कर सकते हैं। अगर आपका नाम हो गया, तो क्लाइंट्स आपकी डिमांड के अनुसार पैसा देने को तैयार रहेंगे।

बॉस

नौकरी करते हुए केवल अच्छा काम करना ही पर्याप्त नहीं होता, आपको अपने बॉस को भी खुश रखना होता है। तभी आपके काम को पहचान (और आपको तरक्की) मिलती है। मगर फ्रीलांसर के सामने ऐसी कोई मजबूरी नहीं होती। अगर आप अपने काम से अपने क्लाइंट्स को संतुष्ट कर दें, तो आपको मार्केट में पहचान मिल जाएगी। फिर वह क्लाइंट तो दोबारा आपके पास आएगा ही, दूसरे क्लाइंट्स भी आपका नाम सुनकर आपसे संपर्क करेंगे। यदि अधिक ऑफर्स हों, तो आप अपनी पसंद से क्लाइंट्स चुन सकते हैं। ऐसे लोगों के लिए काम करना जरूरी नहीं होता, जिन्हें आप पसंद नहीं करते।

ऑफिस एटिकेट

ऑफिस में आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप एक खास तरह से खुद को प्रस्तुत करें। आपको अपने कपड़ों, अपनी बोलचाल, बॉडी लैंग्वेज आदि का लगातार ध्यान रखना होता है। जब आप फ्रीलांसर के तौर पर घर से ही काम करते हैं, तो आप चाहे जैसे कपड़े पहन सकते हैं, बीच में किसी से बिंदास गपशप भी कर सकते हैं। कुर्सी पर पैर चढ़ाकर काम करना चाहते हैं, तो इसके लिए भी यहां कोई आपको नहीं टोकेगा।

चुनौतियां भी कम नहीं

ऐसा नहीं है कि फ्रीलांसिंग में मजा ही मजा है। इसमें आपको मेहनत तो करनी ही होती है, साथ ही इसमें खतरा भी है। यहां आपको हर महीने तयशुदा दिन तयशुदा सैलरी नहीं मिलती। जब जितना काम किया, उस हिसाब से पैसे मिलेंगे। अपनी मार्केटिंग आपको खुद करनी होती है। नेटवर्किंग, पीआर, क्लाइंट मैनेजमेंट आदि अच्छा होने पर ही फ्रीलांसर के रूप में आप सफल रह सकते हैं। यह काम अपना बिजनेस चलाने की तरह ही है। अच्छा-बुरा जो भी हो, उसके लिए आप ही जिम्मेदार होते हैं बेहतर यही होगा कि जॉब छोड़ने से पहले आप फ्रीलांसिंग की दुनिया की जांच-परख कर लें। यहां सबसे बड़ी चुनौती मार्केट में खुद को स्थापित करना होता है।
स्थापित होने में, क्लाइंट्स को आकर्षित करने में समय भी लगता ही है। अगर आप जॉब छोड़कर फ्रीलांसिंग करने की सोच रहे हैं, तो समझदारी इसी में है कि आप एकाध साल गुजारा करने जितना पैसा अलग से सुरक्षित रखें। वैसे बेहतर यही होगा कि आप जॉब में रहते हुए फ्रीलांसिंग शुरू कर दें और यह काम जम जाने के बाद ही जॉब छोड़ें।

पर्सनल शॉपर को अपने क्लाइंट्स की जरूरत, पसंद-नापसंद, उनकी लाइफस्टाइल और शारीरिक बनावट का ख्याल रखते हुए खरीदारी करनी होती है।

शॉपिंग के साथ कमाई भी करें!

प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में संतुलन बनाते हुए अगर खुद ही शादी की शॉपिंग करनी पड़े, तो मुश्किल हो जाती है। खासकर जब आप लेटेस्ट फैशन ट्रैंड से पूरी तरह वाकिफ न हों और मन में उलझन हो कि कहीं आप आउटडेटेड न लगें! ऐसे में पर्सनल शॉपर की सेवाएं बड़ी काम आती हैं। जी हां, विदेशों में अक्सर प्रोफेशनल्स, सेलिब्रिटीज आदि पर्सनल शॉपर्स को हायर करते हैं।
इधर वेडिंग प्लानर, ग्रूमिंग एक्सपर्ट के बाद अब भारत में पश्चिम का यह ट्रैंड भी लोकप्रिय हो रहा है। यानी जिनके पास समय की कमी है, वे पर्सनल शॉपर्स की सेवा ले सकते हैं। अब अगर आप भी सामान्य के बजाय कोई 'हटकर'' और क्रिएटिव जॉब करना चाहते हैं, जिसमें आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ मजा भी आए, तो पर्सनल शॉपर एक शानदार विकल्प हो सकता है।

क्लाइंट्स की पसंद अहम

पर्सनल शॉपर को अपने क्लाइंट्स की जरूरत, पसंद-नापसंद, उनकी लाइफस्टाइल और शारीरिक बनावट का ख्याल रखते हुए खरीदारी करनी होती है। साथ ही, एक विश्वास कायम करना होता है कि वे उनकी सलाह को मानें और उनके कहे अनुसार कपड़े या एक्सेसरी खरीदें। उन्हें फैब्रिक, मटेरियल, कट्स और कलर्स की जानकारी भी रखनी होती है। तभी वे लोगों को सही सुझाव दे सकते हैं। जैसे दुल्हन की शॉपिंग के लिए एक निश्चित बजट निर्धारित होता है लेकिन मार्केट में बूटिक, कूटर स्टोर्स, डिजाइनर वेयर्स आदि इतने ऑप्शंस होते हैं कि उन्हें देखते हुए किसी का भी चकरा जाना स्वाभाविक है। ऐसे में एक पर्सनल शॉपर उन्हें सही खरीदारी के बारे में निर्णय लेने में मदद कर सकता है। ब्राइडल शॉपिंग में दुल्हन के अलावा मित्रों और रिश्तेदारों आदि के लिए भी उपहार आदि की शॉपिंग करनी होती है। इसलिए सबकी पसंद की जानकारी रखनी होती है।

क्वॉलिफिकेशन और स्किल्स

इस फील्ड में आने के लिए किसी विशेष एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन की दरकार नहीं होती। हालांकि फैशन डिजाइनिंग, रिटेल मैनेजमेंट, सेल्स एंड मार्केटिंग आदि में एमबीए करने से फायदा होता है। इसके अलावा, आप पर्सनल शॉपिंग में ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स भी कर सकते हैं। एक पर्सनल शॉपर को काम के दौरान पहले क्लाइंट की पृष्ठभूमि के बारे में रिसर्च करनी होती है। वे कौन-सा ब्रांड पसंद करते हैं, उनका बजट कितना है आदि बातों पर गौर करना पड़ता है। इसके लिए वह क्लाइंट के साथ ईमेल, फोन द्वारा या फिर रूबरू संपर्क बनाए रखता है। हां, आपका अच्छा श्रोता होना जरूरी है। आपके पास क्रिएटिव और इनोवेटिव आइडियाज भी होने चाहिए। एक पर्सनल शॉपर को गोल ओरियेंटेड और सेल्फ मोटिवेटेड होना चाहिए। उसमें धैर्य, कम्युनिकेशन, सेल्स, एंटरप्रेन्योर और ऑर्गनाइजेशनल स्किल्स के साथ-साथ लचीलापन और आत्मविश्वास भी भरपूर होना चाहिए।

स्पेशलाइज्ड शॉपिंग

पर्सनल शॉपर्स गिफ्ट, क्लोदिंग, फूड, फर्नीचर, ज्वेलरी, खिलौने आदि किसी भी चीज की शॉपिंग में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। ये बड़े बिजनेस घरानों के लिए डिजाइनर क्लोदिंग, होम फर्नीशिंग्स और दूसरे आइटम्स की शॉपिंग भी करते हैं। इन दिनों कई कंपनियां अपने क्लाइंट्स को गिफ्ट देने के लिए भी पर्सनल शॉपर्स की मदद लेने लगी हैं। वहीं कई वरिष्ठ नागरिक घरेलू सामान की खरीदी के लिए इनकी सहायता ले रहे हैं। इन सबके अलावा, पर्सनल शॉपर्स शादी समारोहों, बेबी शावर (गोद भराई), जन्मदिन पार्टी, वैलेंटाइन डे, त्योहारों आदि के लिए भी शॉपिंग करते हैं।

काम के अवसर

एक आम शख्स जब पर्सनल शॉपर को हायर करने के बारे में सोचता है, तो पहला ख्याल आता है कि उनकी सेवा सिर्फ एलिट क्लास ही ले सकती है। मगर आज भारत में जिस तरह रिटेल मार्केट बढ़ रहा है, लोगों की मानसिकता बदल रही है, क्रय क्षमता बढ़ रही है, ऐसे में बहुत-से वर्किंग प्रोफेशनल्स भी पर्सनल शॉपर्स को हायर करने लगे हैं। इसके अलावा, बड़े कॉर्पोरेट्स और ब्रांडिंग एजेंसीज अवॉर्ड शोज, कॉन्फ्रेंस आदि के लिए इनकी सेवाएं ले रही हैं। वैसे आप चाहें, तो किसी बूटिक, डिपार्टमेंटल स्टोर या शॉपिंग सेंटर में भी काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। आम तौर पर पर्सनल शॉपर 25,000 रुपए से 1 लाख रुपए महीना कमा सकते हैं।

टेलिफोनिक इंटरव्यू देते समय अपनाएं ये तरीके

आजकल अक्सर कंपनियां नौकरियों के लिए उम्मीदवारों को शॉर्ट-लिस्ट करने, इंटरव्यू का खर्च कम करने या फिर दूसरे शहरों के उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग के लिए टेलिफोनिक इंटरव्यू लेती हैं। जो भी हो, आखिरकार यह है तो जॉब इंटरव्यू ही और अगर आप ऐसा इंटरव्यू दे रहे हैं, तो आपके लिए यह अधिक चुनौतीपूर्ण है क्योंकि आपको केवल अपनी आवाज से ही इंटरव्यूअर को प्रभावित करना है।
आपको यह भी लग सकता है कि टेलिफोनिक इंटरव्यू देना तो आसान है क्योंकि यहां आपको इंटरव्यू बोर्ड को अपने कपड़ों, बॉडी लैंग्जवेज आदि से इम्प्रेस नहीं करना लेकिन यह बात पूरी तरह सच नहीं है। चूंकि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता, सो वह आपके प्रत्येक जवाब का अधिक बारीकी से अध्ययन करेगा। ऐसे में हर सवाल का जवाब बिल्कुल सटीक होना जरूरी हो जाएगा। बेहतर यही होगा कि आप अपने टेलिफोनिक इंटरव्यू की अच्छी-खासी तैयारी कर लें। आम तौर पर उम्मीदवार को पहले से ही इंटरव्यू कॉल के दिन और समय के बारे में सूचित कर दिया जाता है। उस हिसाब से नियत दिन और समय पर तैयार रहें। अगर आपको अचानक ऐसे समय कॉल आ जाता है, जब आप किसी शोर-गुल वाली जगह पर या फिर बाथरूम में हैं, तो क्षमा मांगते हुए उनसे कहिए कि कृपया थोड़ी देर बाद कॉल करें। मगर ध्यान रखें, हो सकता है कि आपको त्वरित तौर पर इंटरव्यू देना ही पड़े, सो इसके लिए तैयार रहें।

इंटरव्यू से पहले

फोन इंटरव्यू कई लोगों के लिए डरावने भी हो सकते हैं क्योंकि आप सामने वाले को देख नहीं पाते और इंटरव्यूअर आपकी आवाज के टोन से आपके बारे में राय बनाएगा। कुछ तैयारी करके आप इस इंटरव्यू को आसान बना सकते हैं:

- अपना रेज्यूमे अपने सामने ही रखें।
- कागज और पेन तैयार रखें, ताकि कुछ नोट करने का काम पड़े तो यहां-वहां ढूंढना न पड़े।
- कंपनी के बारे में पहले से जानकारी एकत्र करके रखें। इंटरव्यू के दौरान यह जानकारी आपकी पहुंच के भीतर होना चाहिए।
- अपनी उपलब्धियों की सूची उदाहरण सहित तैयार रखें। टेलिफोनिक इंटरव्यू का यह एक बड़ा फायदा है कि आप लिखी हुई सूची में से पढ़कर सुना सकते हैं।
- यह सुनिश्चित कर लें कि इंटरव्यू के दौरान आपके आसपास कोई शोर-गुल या किसी तरह का व्यवधान न हो। बच्चे, मित्र या पालतू आकर आपको डिस्टर्ब न करें। रेडियो-टीवी बंद हो। आसपास कोई दूसरा फोन भी न हो, जो अचानक इंटरव्यू के बीच बज उठे।
- अपने फोन में कॉल वेटिंग को स्विच ऑफ कर लें, ताकि इंटरव्यू कॉल के दौरान व्यवधान न हो।
- अगर इंटरव्यू मोबाइल फोन पर दे रहे हैं, तो फोन को पहले ही पूरी तरह चार्ज कर लेना न भूलें।
- फोन पर इंटरव्यू देने की प्रेक्टिस करें और अपनी आवाज को रेकॉर्ड करके सुनें। उसमें जो भी कमी लगे, उसे सुधारने का प्रयास करें।
- माना कि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता लेकिन अगर आप इंटरव्यू के दौरान थोड़े फॉर्मल कपड़े पहनेंगे, तो इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ेगा और आप प्रोफेशनलिज्म से इंटरव्यू दे पाएंगे।
- पानी का ग्लास जरूर अपने पास रखें।

इंटरव्यू के दौरान

कुछ क्षण चाहिए।

- बहुत तेज या जोर से न बोलें।
- बोलते समय मुस्कराते रहें। इंटरव्यूअर भले ही आपको देख न पाए लेकिन मुस्कराहट का प्रभाव आपकी आवाज में दिखाई दे जाएगा।
- शुरुआत में ही इंटरव्यूअर का नाम पूछ लें और इंटरव्यू के दौरान बार-बार उन्हें सम्मानपूर्वक नाम लेकर संबोधित करें।
- इंटरव्यूअर की बात कतई न काटें।
- इंटरव्यू की समाप्ति पर इंटरव्यूअर को धन्यवाद दें और चयन प्रक्रिया के अगले चरण के बारे में पूछ लें।

- कुछ भी खाएं या चबाएं नहीं। धूम्रपान भी कतई न करें।
- बिस्तर पर बैठकर बात न करें। इससे आपकी आवाज में एक इनफॉर्मल अंदाज झलक ही जाएगा, जो ठीक नहीं है।
- अगर किसी सवाल का जवाब देने के लिए आपको कुछ सोचना पड़े, तो अटपटी खामोशी न पसरने दें। स्पष्ट रूप से कहें कि आपको इसका जवाब सोचने के लिए

संत शिरोमणि गुरु रविदास के प्रकाश पर्व पर होंगे कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास के प्रकाश पर्व पर कोटद्वार में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए कार्यकर्ता व पदाधिकारियों की विशेष टीमें गठित की गई है। मंगलवार को भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए राजगौरव नौटियाल ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास केवल एक समाज के नहीं, बल्कि समस्त मानवता के गुरु हैं। उनका जीवन समभाव, समानता और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। बताया कि भारतीय जनता पार्टी संत गुरु रविदास के 650वें प्रकाश पर्व के अवसर पर ह्लसंत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज समरसता संकल्प अभियानह्व चला रही है। यह सात माह का अभियान 29 जुलाई (गुरु पूर्णिमा) से शुरू होकर 20 फरवरी 2027 को संत रविदास जयंती तक चलेगा। उन्होंने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए कोटद्वार में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की विशेष टीम गठित की गई है। अभियान का शुभारंभ बुधवार को कौड़िया में स्वच्छता अभियान के साथ होगा। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण, महापौर शैलेंद्र सिंह रावत सहित कई जनप्रतिनिधि और भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। जिलाध्यक्ष ने बताया कि अभियान के तहत संत गुरु रविदास की जन्म स्थली से लाई गई पवित्र मिट्टी को पौड़ी जिले के सभी रविदास मंदिरों में कलश के माध्यम से स्थापित किया जाएगा। इससे श्रद्धालुओं को गुरु रविदास के जीवन और उनके संदेश से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

कुशरानी में विधिक साक्षरता शिविर लगा

गैरसैंण। मंगलवार को न्याय पंचायत कुशरानी के रामलीला मैदान में विधिक साक्षरता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर महिला सशक्तीकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गोपेश्वर के तत्वावधान में हुआ। शिविर में महिला हेल्पलाइन 181 सखी वन स्टाफ सेंटर ने महिलाओं को जानकारी दी। उन्हें विभिन्न टोल फ्री नंबरों और महिला सशक्तीकरण बाल विकास की योजनाओं से अवगत कराया गया। इस दौरान महिला मंगल दलों ने मैदान में सफाई अभियान चलाया। उन्होंने पौधारोपण कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। शिविर में कई गणमान्य व्यक्ति और स्थानीय प्रतिनिधि मौजूद रहे। इनमें पूर्व जिपंस अवतार सिंह पुंडीर और खनसर विकास समिति के अध्यक्ष नारायण सिंह बिष्ट शामिल थे।

टाईब्रेकर में लैंसडौन लायंस एफसी ने जीता कारगिल विजय कप

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कारगिल विजय कप फुटबॉल प्रतियोगिता का रोमांचक फाइनल मुकाबला लैंसडौन लायंस एफसी के नाम रहा। टाईब्रेकर तक पहुंचे संघर्षपूर्ण मुकाबले में टीम ने रॉयल गढ़वाल क्लब को 6-5 से हराकर खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया और युवाओं को खेलों के माध्यम से अनुशासन एवं देशसेवा की भावना अपनाने का संदेश दिया गया।

प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल में रॉयल गढ़वाल क्लब ने कालागढ़ को हराकर फाइनल में प्रवेश किया, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में लैंसडौन लायंस एफसी ने सुपर इलेवन को मात देकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। फाइनल के पहले हाफ में लैंसडौन लायंस एफसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागकर 2-0 की बढ़त बना ली। मध्यांतर के बाद रॉयल गढ़वाल क्लब ने दमदार वापसी की। टीम के खिलाड़ियों ओम और सक्षम बिष्ट ने एक-एक गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। निर्धारित समय तक मुकाबला बराबरी पर रहने के बाद निर्णय टाईब्रेकर से हुआ। गोलकीपर साहिल के बेहतरीन गोलरक्षण की बदौलत लैंसडौन लायंस एफसी ने 6-5 से जीत दर्ज कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। समापन समारोह में कारगिल युद्ध के वीर सेनानी सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल चन्द्रपाल पटवाल ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की, जबकि गिरिराज सिंह रावत ने उपविजेता टीम को सम्मानित किया। सुरदीप गुसाईं, सुरेंद्र रावत और पुष्कर सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किए। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल कोच सुनील रावत ने एमकेवीएन के उभरते खिलाड़ी ऋषभ को विशेष पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

वहीं धीरेन्द्र कंडारी और भारत नेगी ने प्रतियोगिता के निर्णायकों को सम्मानित किया। आयोजन के दौरान खेल भावना, अनुशासन और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

पत्थरों की चपेट में आने से दो कांवड़ यात्री घायल

बड़कोट। यमुनोत्री धाम से यात्रा कर दिल्ली लौट रहे 25 सदस्यीय बाइक सवार कांवड़ यात्रियों के दल के दो सदस्य सोमवार देर शाम यमुनोत्री हाईवे पर पाली गाड़ के निकट पहाड़ी से गिरे चट्टानी पत्थरों की चपेट में आकर घायल हो गए। सूचना मिलने पर दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बड़कोट पहुंचाया गया। वहां पर प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रात में ही हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिल्ली निवासी सुनील (35) पुत्र साहिल कुमार और सुमन (33) पुत्र गोपाल यमुनोत्री धाम से अपने साथियों के साथ बाइक से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान पाली गाड़ के समीप अचानक पहाड़ी से चट्टानी पत्थर गिरने लगे जिसकी चपेट में आकर दोनों घायल हो गए। सीएचसी बड़कोट के चिकित्सा प्रभारी डॉ. अंगद राणा ने बताया कि दोनों घायलों का अस्पताल में प्राथमिक उपचार किया गया लेकिन चोटें गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर उपचार के लिए रात में ही हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। बरसात के मौसम में यमुनोत्री हाईवे पर पत्थर गिरने की घटनाओं को देखते हुए पुलिस, प्रशासन ने यात्रियों से अत्यधिक सतर्कता बरतने को कहा है।

जीजीआईसी के प्रधानाचार्य का तबादला कराने की मांग

गोपेश्वर। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज गोपेश्वर के अभिभावकों ने छात्राओं को गणवेश न मिलने, निशुल्क पाठ्य पुस्तकें न दिए जाने व कई तहर की अनियमितता पर पूर्व प्रधानाचार्य के तबादले की मांग उठाई है। उन्होंने इस संबंध में डीएम को ज्ञापन सौंपा है। चेतावनी दी कि यदि जल्द प्रधानाचार्य का तबादला नहीं किया गया तो वे 13 अगस्त से आंदोलन को बाध्य होंगे। एसएमसी के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह पंवार, पीटीए अध्यक्ष विनोद प्रसाद भट्ट, दिलीप राज, ममता देवी, उत्तरा देवी, कुसुमा देवी, धर्मी देवी आदि ने डीएम को दिए ज्ञापन में कहा कि प्रधानाचार्य रहते ललित मोहन बिष्ट ने विद्यालय में कई तरह की अनियमितताएं की हैं। उन्होंने इसकी जांच की मांग उठाई है। कहा गया कि पूर्व में भी कई बार यह मुद्दा उठाया गया, मगर कोई कार्रवाई नहीं की गई। अब आंदोलन शुरू किया जाएगा।

पंचमुखी शिक्षा पर दिया जोर

गोपेश्वर। चमोली बाजार में एकल अभियान के तहत आयोजित दस दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग में मंगलवार को गढ़वाल अध्यक्ष कालिका प्रसाद सेमवाल ने प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पढ़ना-लिखना नहीं बल्कि बच्चों की प्रतिभा और व्यक्तित्व का समग्र विकास करना है। उन्होंने आचार्यों से पंचमुखी शिक्षा के माध्यम से ग्रामीणों को प्राथमिक, आरोग्य, विकास, जागरण और संस्कार शिक्षा से जोड़ने तथा गांवों में एकल समिति का गठन करने का आह्वान किया। अंचल सचिव हरि प्रसाद ममगाई ने स्वच्छता, स्वास्थ्य शिक्षा और युवाओं को नशे से दूर रखने पर बल दिया। अंचल अभियान प्रमुख रश्मि ने बताया कि उनके अंचल में नौ संच हैं और प्रत्येक संच में 30 आचार्य हैं जबकि वर्तमान प्रशिक्षण वर्ग में 45 आचार्य प्रशिक्षण ले रहे हैं।

फलदार और औषधीय पौधों का किया रोपण

थराली। मां के नाम एक पेड़ अभियान के तहत मंगलवार को आर्मी कैंटीन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा कोषागार के कर्मचारियों ने वन विभाग के साथ मिलकर कैंटीन और कोषागार परिसर के चारों तरफ फलदार, औषधीय और छायादार पौधों का रोपण किया। वन पंचायत संगठन के पूर्व अध्यक्ष महिपाल सिंह रावत ने कहा कि अधिक से अधिक पौधारोपण कर हम अपने पर्यावरण को संरक्षित और संवर्धित कर सकते हैं। इस अवसर पर डॉ. पुरुषोत्तम जोशी, उदय लाल, प्रवीण कुमार, आदि मौजूद थे।

अमृत के समान है शिवमहापुराण, कथा श्रवण से मिलता है आत्मिक सुखः आचार्य लखेड़ा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : निंबूचौड़ में आयोजित श्री शिवमहापुराण कथा में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कथा व्यास आचार्य राकेश लखेड़ा ने कहा कि शिवमहापुराण अमृत के समान है। इसके श्रवण से मनुष्य को आत्मिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और जीवन जीने की नई दिशा प्राप्त होती है।

आचार्य लखेड़ा ने कहा कि इस संसार में विष और अमृत दोनों विद्यमान हैं। मनुष्य के सामने यह विकल्प होता है कि वह किस मार्ग का चयन करता है। उन्होंने कहा कि शिवमहापुराण की कथा मनुष्य को अमृततुल्य ज्ञान प्रदान करती है, जिससे जीवन के दुःख, तनाव और भ्रम दूर होते हैं। उन्होंने कहा कि महापुरुषों ने जीवन में अनेक कष्ट और संघर्ष रूपी विष को सहन किया, तभी उन्हें ज्ञान और सत्य रूपी अमृत की प्राप्ति हुई। इसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों का धैर्य पूर्वक सामना करना चाहिए। उन्होंने कहा कि निंदा, कटु वाणी, क्रोध और द्वेष भी विष के समान हैं, जिनसे दूर रहकर प्रेम, सद्भाव और मधुर व्यवहार को अपनाना चाहिए। भगवान शिव के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए आचार्य लखेड़ा ने कहा कि शिव की आराधना से मनुष्य के भीतर सकारात्मक परिवर्तन आता है। भगवान शिव अपने भक्तों के दुःखों का निवारण करते हैं और उन्हें संयम, धैर्य तथा सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शिवमहापुराण का श्रवण कर धर्म लाभ अर्जित किया। पूरा पांडाल भगवान शिव के जयकारों और भक्ति रस से सराबोर रहा। इस मौके पर पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी, पूर्व महापौर हेमलता नेगी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख गीता नेगी, प्रवीन थापा, सुरेश कुकरेती, रीना देवरानी, सरिता थपलियाल, हिमाचल सिंह नेगी, सुमन देवी, दीपा, लक्ष्मण सिंह नेगी, आशा देवी आदि मौजूद रहे।

जंगली मशरूम खाने से नेपाली महिला की मौत

पुरोला। बरसात के मौसम में जंगली मशरूम का सेवन से एक नेपाली दंपती पर भारी पड़ गया। जहरीले मशरूम खाने से महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि उनके पति देहरादून के अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती है। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों से जंगली मशरूम का सेवन न करने की अपील की जा रही है। जानकारी के अनुसार पुरोला बाजार में दिहाड़ी मजदूरी कर जीवनयापन करने वाले नेपाली दंपती बबली (32) और तिलक बहादुर बुधवार को जंगल से जंगली मशरूम लेकर आए थे। दोनों ने रात के भोजन में मशरूम की सब्जख्का सेवन किया। कुछ देर बाद दोनों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। पड़ोसियों ने उन्हें तत्काल उपजिला चिकित्सालय पुरोला पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए दोनों को हायर सेंटर देहरादून रेफर कर दिया। देहरादून में उपचार के दौरान बबली ने दम तोड़ दिया जबकि तिलक बहादुर की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज जारी है। मृतका के पड़ोसी संदीप जैन ने बताया कि दंपती लंबे समय से पुरोला बाजार में रहकर दिहाड़ी मजदूरी कर अपना जीवनयापन कर रहे थे। घटना के बाद जनप्रतिनिधि राजपाल पंवार, बलदेव रावत और पवन नौटियाल ने लोगों से बरसात के मौसम में जंगलों में उगने वाले जंगली मशरूम का सेवन नहीं करने की अपील की है।

डोभालगांव सहकारी समिति के विलय का ग्रामीणों ने किया विरोध

पुरोला। मोरी विकासखंड की डोभालगांव सहकारी समिति का नेटवाड़ सहकारी समिति में विलय किए जाने के फैसले का ग्रामीणों और किसानों ने विरोध शुरू कर दिया है। ग्राम प्रधान महेंद्री पंवार के नेतृत्व में ग्रामीणों ने सहायक निबंधक, जिला सहकारी समितियां, उत्तरकाशी को ज्ञापन भेजकर विलय आदेश निरस्त करने और समिति का संचालन पूर्ववत खरसाड़ी कार्यालय से करने की मांग की है। मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है। महेंद्री पंवार ने बताया कि डोभालगांव सहकारी समिति क्षेत्र की पुरानी और प्रमुख समितियों में शामिल है, जो गडुगाड़ पट्टी की 17 ग्राम पंचायतों को सेवाएं देती है। उन्होंने कहा कि खरसाड़ी से नेटवाड़ कार्यालय स्थानांतरित होने से किसानों को बैंकिंग कार्य, किसान क्रेडिट कार्ड, खाद-बीज और अन्य कृषि कार्यों के लिए करीब 18 किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि ऑनलाइन प्रशासनिक कार्यों के दौर में कार्यालय को दूर ले जाने का कोई औचित्य नहीं है।

बहुगुणानगर में विस्थापन पर बनी सहमति, डीएम ने तेज किए पुनर्वास प्रयास

सुरक्षा कार्यों का निरीक्षण कर जिलाधिकारी ने दिए गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध कार्य के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली :

जिलाधिकारी गौरव कुमार ने मंगलवार को कर्णप्रयाग स्थित आपदा प्रभावित बहुगुणानगर एवं सुभाष नगर क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर प्रभावित भवनों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित परिवारों से संवाद कर विस्थापन, मुआवजा एवं पुनर्वास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि प्रभावित परिवारों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी आवश्यक कदम समयबद्ध ढंग से उठाए जाएंगे।

निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी अलकेश नौड़ियाल ने बताया कि बहुगुणानगर क्षेत्र में कुल 38 परिवारों के 39 भवन प्रभावित हैं। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को निर्देश दिए कि विस्थापन से संबंधित सभी बिंदुओं की पूर्ण आख्या कल तक तैयार कर प्रस्तुत की जाए। उन्होंने बताया कि पूर्व में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा चार प्रभावित परिवारों को विस्थापन हेतु धनराशि उपलब्ध कराई जा चुकी है। जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग द्वारा लगभग 50 करोड़ की लागत से संचालित सुरक्षा एवं उपचार कार्यों का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि लगभग दो माह पूर्व प्रारंभ हुए कार्यों के अंतर्गत माइक्रो पाइल, सेल्फ ड्रिलिंग एंकर, 6 मीटर ऊंची एवं लगभग 150 मीटर लंबी आरसीसी सुरक्षा दीवार, ओपन चैनल सहित विभिन्न सुरक्षात्मक कार्य किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूर्ण किए जाएं ताकि क्षेत्र को दीर्घकालिक सुरक्षा मिल सके। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने तहसील सभागार, कर्णप्रयाग में बहुगुणानगर के सभी प्रभावित परिवारों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने प्रत्येक प्रभावित परिवार को उनके भवनों के मूल्यांकन के आधार पर प्रस्तावित मुआवजा राशि की जानकारी दी तथा स्वैच्छिक रूप से भूमि छोड़ने के संबंध में उनकी सहमति प्राप्त की। इस दौरान 35 से अधिक प्रभावितों ने विस्थापन के लिए सहमति व्यक्त की। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों के वर्तमान निवास स्थलों का भी सत्यापन कराया जाए तथा जिन परिवारों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की आवश्यकता हो, उनके लिए समुचित वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण एवं बैठक के दौरान उपजिलाधिकारी अलकेश नौड़ियाल, नगर पालिका अध्यक्ष गणेश शाह, सहायक अभियंता सिंचाई खंड थराली सुभाष चंद्र, राष्ट्रीय राजमार्ग, सिंचाई, राजस्व विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं प्रभावित परिवारों के लोग उपस्थित रहे।

गंगोत्री हाईवे चार घंटे बंद, यमुनोत्री मार्ग पर भी संकट

उत्तरकाशी। जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया है। गंगोत्री हाईवे पर मंगलवार सुबह कई स्थानों पर मलबा, पत्थर गिरने और दलदल के कारण करीब चार घंटे यातायात बाधित रहा। यात्रियों को घंटों तक परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि बीआरओ की मशीनरी ने दोपहर तक मार्ग को सभी स्थानों पर यातायात के लिए खोल दिया। सुबह करीब पांच बजे से नौ बजे तक हाईवे बाधित रहने से कांवड़ यात्री रास्तों में फंसे रहे। गंगोत्री हाईवे पर तड़के पांच बजे नेताला, चड़ेथी, सुनगर, पापड़गाड और डबरानी समेत कई जगहों पर मलबा आने से सड़क बंद हो गई थी। सूचना मिलते ही बीआरओ की जेसीबी मशीनें मौके पर पहुंचीं और मार्ग खोलने का काम शुरू किया गया। वहीं, यमुनोत्री हाईवे अभी भी कई स्थानों पर बाधित है। सिलाई बैंड और पालीगाड में मार्ग बंद होने से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। पालीगाड में दलदल मार्ग खोलने में बाधा बना हुआ है। एनएच बड़कोट की मशीनरी हाईवे बहाली के कार्य में जुटी है। विभाग ने देर शाम तक मार्ग पर आवाजाही बहाल करने का दावा किया है। जगह-जगह मार्ग पर कांवड़ यात्री भी फंसे हुए हैं। वहीं, लगातार बारिश के चलते जिले के गंगोरी-डोडीताल, भुक्की-कुज्जन, मल्ला-सारी-सौरा समेत करीब 14 मोटरमार्ग भी बंद हैं। सड़कें बाधित होने से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

पूर्व प्रधानाचार्य के निधन पर जताया शोक

कर्णप्रयाग। लंगासू क्षेत्र के बिरोली गांव निवासी और पूर्व में प्रधानाचार्य से सेवानिवृत्त गोविंद प्रसाद पंत के निधन पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं समाज सेवियों ने शोक जताया है। गोविंद प्रसाद पंत का निधन उपचार के दौरान देहरादून में बीते 26 जुलाई को हुआ। पंत ने सेवानिवृत्त होने के बाद गांव में स्वरोजगार की पहल की। वर्तमान में इस स्थान पर पांच से अधिक स्थानीय लोगों के होटल हैं और यात्राकाल में लोग बेहतर स्वरोजगार कर रहे हैं। वहीं दशमद्वार विकास मंच का गठन कर क्षेत्रीय समस्याओं के निस्तारण के लिए भी लगातार संघर्ष किया। उनके निधन पर विधायक अनिल नौटियाल, भाजपा नेता टीका प्रसाद मैखुरी, प्रमुख दीपिका मैखुरी,यशवंत असवाल आदि ने शोक जताया।

पीएचसी धौंतरी बनेगा प्रसव केंद्र, सीएमओ ने किया निरीक्षण

उत्तरकाशी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम विजय ने भटवाड़ी और डुंडा विकासखंड की विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर, धौंतरी और श्रीकालखाल में स्वास्थ्य सेवाओं, अभिलेखों, दवा उपलब्धता, स्वच्छता और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धौंतरी के निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धौंतरी जल्द ही प्रसव केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को स्थानीय स्तर पर सुरक्षित व गुणवत्तापूर्ण संस्थागत प्रसव की सुविधा मिल सके। मंगलवार को पीएचसी मानपुर में सीएमओ ने निर्माणाधीन अस्पताल भवन का निरीक्षण कर कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में मौजूद चिकित्साधिकारी, नर्सिंग अधिकारी एवं अन्य कर्मचारियों को मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने और शासन के मानकों के अनुरूप बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने को कहा। वहीं, उन्होंने पीएचसी धौंतरी का निरीक्षण के दौरान कहा कि पीएचसी धौंतरी को जल्द ही प्रसव केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

लगातार बारिश से भिलंगना और बालगंगा खतरे के निशान से ऊपर

घनसाली(टिहरी)। भिलंगना ब्लॉक में देर रात से हो रही मूसलाधार बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। बालगंगा और भिलंगना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है, जबकि नैलचामी नदी समेत अन्य गाड-गदेरों में भी पानी तेजी से बढ़ रहा है। खतरे को देखते हुए तहसील प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले परिवारों को नोटिस जारी कर सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट होने के निर्देश दिए हैं। तेज बारिश के चलते 27 जुलाई को घनसाली में नदी किनारे रहने वाले आठ-दस परिवारों को अपने घर छोड़कर नजदीकी मंदिर में शरण लेनी पड़ी। वहीं, बालगंगा नदी का जलस्तर बढ़ने और भिगुन गांव के गवाणा तोक में लगातार हो रहे भूस्खलन को देखते हुए प्रशासन ने 12 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने प्रभावितों को होटल या किराये के कमरे में शिफ्ट होने की सुविधा देने की बात कही है। बारिश से क्षेत्र के कई मोटर मार्ग भी मलबा आने से बंद हो गए हैं। इनमें घुत्तू-गंगी मोटर मार्ग समेत कई ग्रामीण सड़कें शामिल हैं। लोक निर्माण विभाग ने मार्गों को खोलने के लिए जेसीबी मशीनें तैनात की हैं। एसडीएम मंजू राजपूत ने बताया कि मानसून को देखते हुए प्रशासन ने पहले ही तैयारियां पूरी कर ली थीं। नदी किनारे रहने वालों के घरों पर नोटिस चस्पा किए गए हैं और राजस्व विभाग की टीम लगातार गांवों की निगरानी कर रही है। उन्होंने बताया कि जरूरत पड़ने पर प्रभावित परिवारों को किराये का भुगतान भी किया जाएगा। भिलंगना क्षेत्र में राहत और बचाव दलों को अलर्ट पर रखा गया है।

सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम में 15 शिकायतें दर्ज

नंदासैंण। विकासखंड गैरसैंण की ग्राम पंचायत जखेट में मंगलवार को सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ग्रामीणों की 15 शिकायतों में से सात का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष आठ शिकायतों को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। उन्होंने ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और मिलने वाले लाभों के बारे में बताया गया। लोगों की समस्याएं सुनकर उनके समाधान के लिए दिशा-निर्देश भी दिए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक पंचायत अधिकारी रघुवीर लाल ने की। इस अवसर पर ग्राम विकास अधिकारी सूरज नेगी और ग्राम प्रधान बच्चन भी उपस्थित थे।

कांग्रेस ने बूथ मजबूती पर दिया जोर

कर्णप्रयाग। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस पार्टी ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। ब्लॉक सभागार में आयोजित ब्लॉक कार्यकारिणी की बैठक में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान आगामी चुनाव रणनीति और बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करने पर चर्चा हुई। बैठक में विनोद कुमार शाह को एससी प्रकोष्ठ ब्लॉक अध्यक्ष और सुरेंद्र सिंह कंडवाल को सैनिक प्रकोष्ठ ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष रावत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में बदरीनाथ विधायक लखपत सिंह बुटोला ने कहा कि प्रदेश की जनता आज फिर से कांग्रेस पार्टी की मांग कर रही है। वर्तमान की भाजपा सरकार हर चीज में विफल साबित हुई है। उन्होंने नीट पेपर लीक मामले में सरकार की विफलता का भी जिक्र किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने बूथ मजबूत करने को सत्ता में वापसी की पहली शर्त बताया। इस दौरान चक्रधर सेमवाल, रेखा रावत और चंडी प्रसाद चौकीयाल को वरिष्ठ ब्लॉक उपाध्यक्ष, अमित कंडारी और विपुल ध्यानी को ब्लॉक महामंत्री बनाया गया। यशवंत असवाल, नीरज बिष्ट, आशीष बिष्ट, प्रदीप कठैत को सोशल मीडिया टीम में जगह दी गई।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

किसान के बेटे

सर्वेश ने रचा इतिहास

भारत को हाई जंप में पहला रजत पदक

ग्लास्गो(एजेंसी)। भारत के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश कुशारे ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इतिहास रच दिया। 31 वर्षीय एथलीट ने पुरुष हाई जंप स्पर्धा में 2.25 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक अपने नाम किया। वह कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में इस स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। इससे पहले तेजस्विन शंकर ने 2022 बर्मिंघम खेलों में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था।

काउंटबैक में स्वर्ण से चूके

सर्वेश और जमैका के रोमेन बेकफोर्ड दोनों ने 2.25 मीटर की ऊंचाई सफलतापूर्वक पार की, लेकिन 2.28 मीटर की ऊंचाई पर दोनों असफल रहे। इसके बाद काउंटबैक नियम के आधार पर फैसला हुआ। बेकफोर्ड ने कम असफल प्रयास किए थे, इसलिए उन्हें स्वर्ण पदक मिला, जबकि सर्वेश को रजत से संतोष करना पड़ा। इंग्लैंड के जैक किमानी ने 2.20 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। भारत के आदर्श राम 2.15 मीटर की छलांग के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

खेत से कॉमनवेल्थ पोडियम तक का सफर

महाराष्ट्र के नासिक जिले के देवगांव निवासी सर्वेश कुशारे का सफर संघर्षों से भरा रहा है। उनके पिता प्याज की खेती करते हैं। बचपन में सुविधाओं की कमी के कारण उनके पिता और पहले कोच ने मकई के छिलकों, कपास और खेतों के अन्य अवशेषों से अस्थायी लैंडिंग पिट तैयार की, ताकि सर्वेश हाई जंप का अभ्यास कर सकें।

बढ़ा आत्मविश्वास

सर्वेश हाल के महीनों में शानदार फॉर्म में रहे हैं। इसी महीने उन्होंने मोनाको डायमंड लीग में 2.26 मीटर की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया था और डायमंड लीग में पोडियम पर पहुंचने वाले भारत के चौथे एथलीट बने थे। इससे पहले उन्होंने भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप में 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया था।

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर सर्वेश कुशारे को बधाई देते हुए लिखा, 'कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुष हाई जंप में रजत पदक जीतने पर सर्वेश कुशारे को हार्दिक बधाई। उनका दृढ़ संकल्प और निरंतरता काबिल-ए-तारीफ है। इस शानदार उपलब्धि पर पूरे देश को उन पर गर्व है। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य और आगे भी अनेक सफलताओं की कामना करता हूं।'

एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतना चाहता हूं

अपने पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने के बाद सर्वेश ने कहा, 'यह मेरा पहला पदक है और किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भी पहला पदक है। एशियाई खेल और कॉमनवेल्थ गेम्स ओलंपिक की तैयारी के लिए अहम प्रतियोगिताएं हैं। मेरा लक्ष्य ओलंपिक में पदक जीतना है। मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा। इसके साथ ही मैं एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं।'
मुकाबले के आखिरी प्रयासों के बारे में उन्होंने कहा, 'मैं हर ऊंचाई को पहले ही प्रयास में पार करना चाहता था। यह मेरे लिए शानदार अनुभव रहा।'

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का एलान

सारांश जैन टीम में नया चेहरा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। दोनों देशों के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत 15 अगस्त से होगी। टीम की कमान एक बार फिर शुभमन गिल के हाथों में सौंपी गई है, जबकि अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया है।

इस टीम में सबसे चौंकाने वाला चयन सारांश जैन का है, जिन्हें पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाले इस ऑलराउंडर को पहली बार सीनियर टीम से बुलावा मिला है। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल संभालेंगे। बल्लेबाजी में यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल को भी जगह मिली है। ऑलराउंडर के रूप में रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और मानव सुथार टीम का हिस्सा हैं। बीसीसीआई ने स्पष्ट किया कि वॉशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे, इसलिए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया।

इन खिलाड़ियों की हुई टेस्ट टीम में वापसी

भारत ने पिछला टेस्ट अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था। उस टीम से तुलना करें तो नीतीश रेड्डी, हर्ष दुबे, वॉशिंगटन सुंदर मौजूदा टीम का हिस्सा नहीं हैं। वहीं, रवींद्र जडेजा और बुमराह की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। हालांकि, बुमराह का खेलना अभी तय नहीं है। इसके अलावा सारांश नया चेहरा हैं। जडेजा ने पिछला टेस्ट पिछले साल नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बरसापारा स्टेडियम में खेला था। वह काफी लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं। उनका पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच इस साल जनवरी में आया था।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम

कप्तान: शुभमन गिल, **उपकप्तान:** केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन*, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह*, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन।साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह का चयन सब्जेक्ट टू फिटनेस है, यानी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस मंजूरी मिलने के बाद ही खेल सकेंगे।

बुमराह-सुदर्शन का चयन सब्जेक्ट टू फिटनेस

तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई जसप्रीत बुमराह करेंगे। उनके साथ मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ को भी टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस मंजूरी मिलने पर निर्भर करेगी।

इंडिया बनाम श्रीलंका: टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

इसके साथ ही बात की जाए शेड्यूल की तो पहला मैच 15 से 19 अगस्त के बीच गाले में खेला जाएगा। फिर कोलंबो में होने वाले दूसरे टेस्ट का आगाज 23 अगस्त से हो जाएगा। ये सभी मुकाबले भारतीय समय के अनुसार 10 बजे शुरू होंगे।

तेजस्विन शंकर ने जीता दिल: चोटिल होकर नहीं खेल पाए तो रो पड़े!

- *फिर भारत को रजत पदक दिलाने में इस तरह की मदद*

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर के लिए सोमवार का दिन बेहद भावुक रहा। घुटने की पुरानी चोट उभर आने के कारण उन्हें पुरुष हाई जंप स्पर्धा से बीच में ही हटना पड़ा, लेकिन अपने पदक का सपना टूटने के बावजूद उन्होंने मैदान नहीं छोड़ा। वह पूरे मुकाबले के दौरान साथी खिलाड़ी सर्वेश कुशारे के साथ खड़े रहे और उन्हें तकनीकी सलाह देते रहे। तेजस्विन की यही सलाह सर्वेश के लिए निर्णायक साबित हुई और उन्होंने भारत को हाई जंप में ऐतिहासिक रजत पदक दिला दिया।

बर्मिंघम 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स के कांस्य पदक विजेता तेजस्विन ने वार्म-अप के दौरान घुटने में तेज दर्द महसूस किया। उन्होंने पहली ऊंचाई पार करने की कोशिश की, लेकिन दर्द बढ़ने पर मुकाबले से हटने का फैसला किया। इसके बावजूद वह स्टेडियम में मौजूद रहे और सर्वेश कुशारे के हर प्रयास पर नजर बनाए रखी।

सर्वेश ने बताया कि 2.25 मीटर की ऊंचाई पर उनकी लय बिगड़ गई थी और रन-अप छोटा पड़ने लगा था। ऐसे समय में तेजस्विन ने उन्हें रन-अप थोड़ा आगे से शुरू करने की सलाह दी, जिससे वह अपनी लय वापस हासिल कर सके और रजत पदक जीतने में सफल रहे।

बस एक दिन दर्द नहीं चाहिए था, लेकिन वही दिन आ गया

मुकाबले के बाद भावुक नजर आए तेजस्विन ने कहा, 'वार्म-अप के दौरान मेरे घुटने में अचानक तेज दर्द हुआ। यह कोई नई समस्या नहीं है। मुझे लंबे समय से टेंडोनाइटिस की दिक्कत है। लगभग हर हाई जंपर इस परेशानी से जूझता है, लेकिन आज यह दर्द ऐसे दिन बढ़ गया, जब मुझे खुद पर पूरा भरोसा था। मुझे यकीन था कि मैं पदक जीत सकता हूं, लेकिन पहली ही ऊंचाई पार नहीं कर सका। यह बहुत तकलीफ देता है।' उन्होंने आगे कहा, 'यह पैटेलर टेंडन के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से हुआ। कुछ असाधारण नहीं है, लेकिन आज यह अचानक बढ़ गया और मेरा पूरा मुकाबला खराब हो गया।' तेजस्विन ने बताया कि उन्होंने आगे जोखिम नहीं लिया क्योंकि दो दिन बाद डेकाथलॉन स्पर्धा शुरू होनी है। उन्होंने कहा, 'मेरे पास अभी दो दिन हैं। मैं इन दो दिनों में पूरी कोशिश करूंगा कि चोट से उबर सकूं। मैं यहां छुट्टियां मनाने नहीं आया हूं। मैं डेकाथलॉन में जरूर उतरूंगा। अगर किसी तरह हाई जंप और लंबी कूद में दर्द को संभाल लिया, तो बाकी स्पर्धाओं में अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा है।'

फॉर्मेट भी बदलेगा

एशियाई खेलों में जलवा दिखाते नजर आएंगे वैभव!

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे दौरे पर टी20 सीरीज 3-0 से अपने नाम की। कप्तान श्रेयस अय्यर की कप्तानी में लगातार दो टी20 सीरीज गंवाने के बाद अब भारत ने अय्यर की कप्तानी में खाता खोला है। वैभव सूर्यवंशी इस सीरीज में हीरो रहे और 3 पारियों में 151 रन बनाकर टॉप स्कोरर भी बने। उन्हें अंतिम मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। अब नजरें होंगी कि कब वैभव फिर से टीम इंडिया की जर्सी में नजर आएंगे।

दरअसल अब टीम इंडिया को श्रीलंका का दौरा करना है जहां दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे। उसके बाद अफगानिस्तान की मेजबानी में दिल्ली में तीन मैचों की टी20 सीरीज 13, 15 और 17 सितंबर को आयोजित हो सकती है। मगर उससे पहले टीम इंडिया तीन वनडे और तीन टी20 बांग्लादेश के साथ भी खेल सकती है जिसकी पुष्टि नहीं हुई है।

अगर बांग्लादेश सीरीज हुई तो अफगानिस्तान के खिलाफ मैचों की तारीखें आगे खिसक सकती हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। मगर सितंबर के अंत में जापान में होने वाले एशियाई खेलों में वैभव सूर्यवंशी भारतीय स्क्वाड का हिस्सा हैं। यानी अगर अफगानिस्तान-बांग्लादेश सीरीज नहीं हुई तो वैभव सीधे एशियाई खेलों में जलवा दिखाते नजर आएंगे। वरना उससे पहले भी दिल्ली में उनका जलवा देखने को मिल सकता है।

बिंदियारानी का कमाल, ब्रॉन्ज किया अपने नाम

नई दिल्ली। ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के नाम छठा पदक हो गया है। भारत को वेटलिफ्टिंग में पांचवां मेडल मिला है। 58 किलोग्राम वर्ग में बिंदियारानी देवी ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। उन्होंने स्नैच और क्लीन एंड जर्क मिलाकर 199 किलोग्राम का कुल वजन उठाया और देश को मेडल दिलाया। इससे पहले बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था।

58 किलोग्राम की प्रतियोगिता में बिंदियारानी देवी ने स्नैच में अपना बेस्ट अटेम्प्ट 86 किलोग्राम वजन उठाकर दिया था। इसके बाद क्लीन एंड जर्क में उनका बेस्ट 113 किलोग्राम रहा। कुल मिलाकर 199 किलोग्राम के साथ उन्होंने ब्रॉन्ज जीता। वहीं 53 किलोग्राम के बाद 58 किलोग्राम में भी नाईजीरिया को गोल्ड मेडल मिला। राफियातू लावल ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इससे पहले 27 जुलाई सोमवार को भारत को वेटलिफ्टिंग में ही 53 किलोग्राम वर्ग में ज्ञानेश्वरी यादव ने सिल्वर मेडल दिलाया था। भारत को अब तक मौजूदा राष्ट्रमंडल खेलों में एकमात्र गोल मीराबाई चानू ने दिलाया था। उनको जोड़कर दो पुरुष और तीन महिला वेटलिफ्टर अभी तक इन खेलों में मेडल अपने नाम कर चुके हैं। जबकि एकमात्र मेडल वेटलिफ्टिंग के अलावा पैरा पॉवरलिफ्टिंग में आया था। कॉमनवेल्थ खेलों में भारतीय वेटलिफ्टर्स का प्रदर्शन लगातार शानदार रहा है। भारत वेटलिफ्टिंग के मामले में ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरा सबसे सफल देश है जिसने राष्ट्रमंडल खेलों में अब तक 134 मेडल जीते हैं और 46 गोल्ड इसमें शामिल हैं। 2022 में बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को 10 मेडल (3 गोल्ड, 3 सिल्वर, 4 ब्रॉन्ज) वेटलिफ्टिंग में ही मिले थे।

भालाफेंक में नीरज से टक्कर लेने को तैयार हैं पाकिस्तान के अरशद खान

ग्लास्गो। भालाफेंक में राष्ट्रमंडल खेलों और ओलंपिक के मौजूदा चैंपियन अरशद नदीम स्विट्जरलैंड में खराब मौसम के कारण अच्छी तरह से अभ्यास नहीं कर पाए, लेकिन लंबे समय से उनके कोच रहे सलमान बट ने कहा कि वह पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के क्वालिफाइंग राउंड के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

पाकिस्तान राष्ट्रमंडल खेलों में अभी तक एक भी पदक नहीं जीत पाया है और उसकी उम्मीद अरशद पर टिकी है। अरशद का हाल का प्रदर्शन हालांकि अच्छा नहीं रहा तथा वह इस महीने की शुरुआत में स्विट्जरलैंड में ल्यूसर्न सिल्वर मीट में नौवें स्थान पर रहे थे। वह परिस्थितियों से वाकिफ होने के लिए काफी पहले ग्लास्गो पहुंच गए थे और 30 जुलाई को होने वाले क्वालिफायर के लिए तैयार हैं।

बट ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, 'बारिश के कारण अरशद को स्विट्जरलैंड में खेली गई प्रतियोगिता से पहले ठीक से तैयारी करने का मौका नहीं मिला और उसे गीली सतह की स्थितियों से सामंजस्य बिठाने में संघर्ष करना पड़ा।' उन्होंने कहा, 'लेकिन अब वह ग्लास्गो की परिस्थितियों के अनुकूल हो रहा है। वह क्वालीफायर के लिए पूरी तरह से तैयार है और इस प्रतियोगिता में फिर से अच्छा प्रदर्शन करना चाहता है।'

फॉर्मेट भी बदलेगा

टी20 वर्ल्ड कप में 20 नहीं 24 टीमें लेंगी हिस्सा!

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा हाल ही में 2028 और 2030 टी20 वर्ल्ड कप में टूर्नामेंट के फॉर्मेट बदलने की जानकारी दी गई थी। अब नई रिपोर्ट के मुताबिक यह जानकारी सामने आई है कि, आईसीसी ने अब टीमों की संख्या बढ़ाने का भी प्लान किया है। अभी तक 20 टीमें टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेती हैं। गौरतलब है कि 2024 में 16 से 20 तक संख्या बढ़ाई गई थी। अब यह संख्या 24 तक जा सकती है। द टेलीग्राफ की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक आईसीसी ने अपना विजन टी20 वर्ल्ड कप को 32 टीमों का टूर्नामेंट बनाने का रखा है। ऐसे में 2032 के संस्करण में 20 से 24 टीमों तक यह टूर्नामेंट बढ़ सकता है। हालांकि, अगले दो संस्करण 2028 और 2030 में 20 टीमें ही हिस्सा लेंगी।

क्यों लिया जा सकता है यह फैसला?

रिपोर्ट में कहा गया कि 2026 टी20 वर्ल्ड कप की सफलता के बाद गवर्निंग काउंसिल द्वारा अन्य देशों के लिए मौके बढ़ाने और दुनियाभर में क्रिकेट के नए बाजार को तैयार करने के लिए यह फैसला लिया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक आईसीसी का विजन है टी20 वर्ल्ड कप को 32 टीमों का टूर्नामेंट करवाने का। इसलिए आईसीसी धीरे-धीरे टीमों की संख्या बढ़ाकर इस टूर्नामेंट की सफलता को आंकना चाहता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि आईसीसी के मुताबिक टी20 फॉर्मेट क्रिकेट को दुनियाभर में आगे बढ़ाने का सबसे असरदार जरिया है। 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भी क्रिकेट की वापसी हो रही है।